

# सब पर नजर, सटीक खबर



प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

**ट्रैफिक नियमों के तहत शहर में लोगों की आवाजाही की अनुमति होगी, शहर में लोगों की सुचारू आवाजाही में कोई बाधा नहीं डाली जाएगी**



अनुमति कानून के मुताबिक दी जाएगी।

भारत के मुख्य न्यायाधीश के पास मुख्य चुनाव आयुक्त को इस्तीफा देने का निर्देश देने या उन्हें पद से हटाने का संवैधानिक अधिकार नहीं है।



कालेज कोड 01083

# सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूट्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

**छात्रवृत्ति की सुविधा भी उपलब्ध है।**

**Website : <http://sssgroup.co.in>**

**हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735**



**SATYAM SHIVAM SHUBHAM GROUP OF INTITION**

**TIKRI PRAYAGRAJ**



**संजय शुक्ल**  
चेयरमैन

**Course**

B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)  
B.Com., M.Com., LL.B.  
B.A.LL.B., B.Pharm  
D.Pharm, ITI, BTC.



**राजकुमारी शुक्ला**  
निर्देशक

# वोट चोरी के विरोध में दिल्ली कूच , गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में कौशाम्बी के कांग्रेस पदाधिकारी होंगे शामिल

आज को दिल्ली में प्रस्तावित प्रदर्शन में भाग लेकर राहुल गांधी के समर्थन में उठाएंगे आवाज

ब्यूरो चीफ सबसे तेज प्रयागराज कौशाम्बी। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय की अगुवाई में जिले के कई कांग्रेस पदाधिकारी दिल्ली रवाना हो रहे हैं। वहां 12 अक्टूबर को प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होकर पार्टी नेता चुनावों में कथित धांधली और वोट चोरी के मुद्दे पर विरोध दर्ज कराएंगे। कांग्रेस की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी उठाई जा रही है। जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने



आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने अपने पद की गरिमा के साथ न्याय नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि कई

राज्यों के चुनावों में कथित हेराफेरी कर भाजपा को लाभ पहुंचाया गया। पाण्डेय ने यह भी आरोप लगाया कि बिना उचित

आह्वान पर पार्टी कार्यकर्ता दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे। गौरव पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र की रक्षा और मताधिकार से जुड़े सवालों को लेकर संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते, तब तक पार्टी का विरोध जारी रहेगा। हालांकि, वोट चोरी, चुनावी धांधली और मतदाता सूची से जुड़े आरोपों पर संबंधित पक्षों का जवाब इस बयान में शामिल नहीं है। **ये पदाधिकारी होंगे शामिल** दिल्ली में प्रदर्शन में शामिल होने

वालों में कौशाम्बी प्रभारी राजेश साहनी, पूर्व प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष दीपक पाण्डेय 'बाबू जी', उदय यादव, राम सूरत रैदास, जिला महासचिव श्याम सिंह भदौरिया, सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय, नेवादा ब्लॉक अध्यक्ष रावेंद्र यादव, मंझनपुर ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप सिंह पटेल, रमेश यादव, चरवा नगर अध्यक्ष निक्की पाण्डेय, आरटीआई अध्यक्ष आयूष यादव और राजेश कुमार सहित कई अन्य पदाधिकारी शामिल हैं।

## पिपरी और सराय अकिल पुलिस ने तीन वारंटी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पिपरी और सराय अकिल पुलिस ने अलग-अलग मामलों में तीन वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पिपरी पुलिस ने वर्ष 1995 के चोरी के मामले में न्यायालय से संबंधित दो वारंटी अभियुक्तों शेर सिंह चौरसिया पुत्र रामधनी निवासी रावतपुर और सुखनंदन पासी पुत्र बैजनाथ पासी निवासी शेरपुर, थाना पिपरी को गिरफ्तार किया। वहीं, सराय अकिल पुलिस ने मारपीट के मामले में वारंटी अभियुक्त विद्याकान्त उर्फ अनुज तिवारी पुत्र स्वर्गीय गुणराज निवासी बंधरी, थाना सराय अकिल को गिरफ्तार किया।



## मां की हत्या का आरोपी बेटा 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार, फावड़ा बरामद

सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर। बकेवर थाना क्षेत्र के दिलावलपुर गांव में 65 वर्षीय सावित्री देवी की हत्या के मामले में पुलिस ने उनके बेटे राजू को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त फावड़ा भी बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक शनिवार की सुबह रामजीवन पुत्र स्व. शिवचरन को सूचना मिली कि उनके भाई राजू ने शराब के नशे में सोते समय उनकी मां सावित्री देवी के सिर और मुंह पर ईंट से वार कर दिया। इससे उनकी मौत हो गई। घर पहुंचने पर सावित्री देवी चारपाई पर मृत अवस्था में मिलीं। रामजीवन की तहरीर पर बकेवर थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत बकेवर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी राजू पुत्र स्व. शिवचरन निवासी दिलावलपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त फावड़ा बरामद करने की जावकारी दी है। गिरफ्तार आरोपी को 11 अक्टूबर को न्यायालय में पेश किया गया।



## नवरात्र में महिला सुरक्षा को लेकर अलर्ट रहेगी फतेहपुर पुलिस

मिशन शक्ति फेज-5 के तहत पैदल मार्च, जागरूकता कार्यक्रम और महिला चौपालों के आयोजन के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर। शारदीय नवरात्र के दौरान महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने के लिए फतेहपुर पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने रविवार को पुलिस लाइन स्थित सम्मेलन कक्ष में पुलिस अधिकारियों और महिला पुलिसकर्मियों के साथ बैठक कर मिशन शक्ति फेज-5 के तृतीय चरण के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को शासन के निर्देशों के अनुरूप कार्यक्रमों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



## मिशन शक्ति अभियान के तहत कर्नलगंज में निकला पैदल मार्च, महिलाओं को किया जागरूक पोस्टर-बैनर और पंपलेट के जरिए महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तीकरण का दिया संदेश

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। शारदीय नवरात्र 2026 के अवसर पर मिशन शक्ति अभियान के तहत एसीपी कर्नलगंज के नेतृत्व में महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण को लेकर पैदल मार्च निकाला गया। इसमें प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कर्नलगंज ज्ञानेश्वर मिश्रा, जनप्रतिनिधियों, पार्षद कटरा, सिविल डिफेंस टीम, मिशन शक्ति टीम कर्नलगंज तथा पुलिस बल के जवानों ने सहभागिता की। पैदल मार्च कर्नलगंज से शुरू होकर विश्वविद्यालय चौराहा, कटरा मार्केट, कटरा चौराहा, नेतराम चौराहा होते हुए लक्ष्मी चौराहा तक निकला गया। इस दौरान पुलिस टीम और अभियान से जुड़े सदस्यों ने महिला सशक्तीकरण से संबंधित पोस्टर-बैनर के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। अभियान के दौरान महिलाओं को पंपलेट और हैंडबिल वितरित कर महिला सुरक्षा, सम्मान एवं अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक करने के साथ ही समाज में उनकी सुरक्षा और सशक्तीकरण के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया गया।



## बुलंदशहर में मिशन शक्ति-6.0 का शुभारंभ, महिला सुरक्षा पर जोर एसएसपी ने हरी झंडी दिखाकर अभियान को किया रवाना, शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज बुलंदशहर। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए रविवार को रिजर्व पुलिस लाइन में मिशन शक्ति-6.0 अभियान का शुभारंभ किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर अभियान को रवाना किया। उन्होंने महिला संबंधी अपराधों और शिकायतों पर त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसएसपी ने कहा कि मिशन शक्ति के तहत महिलाओं और बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा। गांवों, कस्बों, बाजारों और शिक्षण संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें



उत्पीड़न, हिंसा और अपराध के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। अभियान के तहत महिला बीट पुलिस अधिकारी और मिशन शक्ति की टीमें सक्रिय रहेंगी। स्कूल-

कॉलेजों के आसपास पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने के साथ संवेदनशील स्थानों पर नियमित गश्त और निगरानी की जाएगी। छेड़छाड़, पीछा करने और महिलाओं के प्रति अभद्र व्यवहार

## मुठभेड़ में दो पशु चोर घायल, तीन अन्य साथियों समेत पांच गिरफ्तार



## दो तमंचे, कारतूस, तीन चाकू, चोरी की दो बैस, पिकअप और 95 हजार रुपये बरामद

सबसे तेज प्रयागराज बुलंदशहर। गुलावटी थाना पुलिस और स्वाट टीम की रविवार देर रात पशु चोरों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों घायलों समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से दो अवैध तमंचे, कारतूस, तीन चाकू, एक छोटा हाथी पिकअप, चोरी की दो बैस और 95 हजार रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक देर रात आगामी त्योहारों के मद्देनजर गुलावटी पुलिस और स्वाट टीम जरावटी क्षेत्र में हाईवे के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध पिकअप को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन उसमें सवार लोग वाहन तेजी से भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा कर जरावटी-

सिकंदराबाद रोड पर वाहन को घेर लिया। खुद को घिरा देख आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश घायल हो गए। पुलिस ने मौके से पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शहजाद उर्फ भूरा निवासी मेरठ, शाहरुख मेवाती निवासी पलवल (हरियाणा), फैसल और शरीफ निवासी सिकंदराबाद तथा रिजवान निवासी जहांगीराबाद, बुलंदशहर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी शातिर पशु चोर हैं। इनके खिलाफ पहले भी पशु चोरी और अन्य आपराधिक मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। आरोपियों पर गुलावटी, अगौता और ककोड़ थाना क्षेत्रों के अलावा अन्य जनपदों में भी पशु चोरी की घटनाओं में शामिल होने का आरोप है।

पुलिस टीम उनसे पूछताछ कर अन्य घटनाओं के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

## मैजिक की टक्कर से घायल बाइक सवार की मौत



सबसे तेज प्रयागराज बहरिया। तेज रफ्तार मैजिक की टक्कर से घायल बाइक सवार की इलाज के दौरान मौत हो जाने से परिजनों में कोहराम मच गया है। मृतक की मां ने चालक की खलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। बहरिया थाना क्षेत्र के महपूरा गांव के सामने नहर के पास शुक्रवार देर रात हुए हादसे में बहरिया के अतनपुर गांव निवासी रणजीत सिंह (48) गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बताया गया कि अज्ञात मैजिक वाहन की टक्कर से उनके सिर में गंभीर चोट आई थी। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने उन्हें तत्काल दौनइया स्थित अस्पताल पहुंचाया। हालत

नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उन्हें स्वरूपरानी अस्पताल रेफर कर दिया था। जहां शनिवार आधी रात को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। रणजीत सिंह की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। मृतक की मां प्रभा देवी ने बहरिया थाने में तहरीर देकर मैजिक चालक की पहचान कर गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर तेज गति से दौड़ते वाहन लोगों की जान के लिए खतरा बने हुए हैं। अगर गति नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो ऐसे हादसों पर अंकुश लगाना मुश्किल होगा।

## सीताराम हत्याकांड : घटनास्थल पर पहुंचे एसपी, जल्द खुलासे के निर्देश

परिजनों से की पूछताछ, साक्ष्य जुटाने और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए गठित कीं पुलिस टीमें

सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर। असोथर थाना क्षेत्र के गडेरिया मजरा सातोपीत गांव में करीब 65 वर्षीय सीताराम की हत्या की घटना के बाद पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना के संबंध में जानकारी ली। एसपी ने घटना के शीघ्र अनावरण के लिए पुलिस टीमों का गठन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने और आरोपी की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश राय, क्षेत्राधिकारी धरियांव दुर्गेश दीप, असोथर थाना प्रभारी निरीक्षक सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।



## त्योहारों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसपी ने की समीक्षा, अधिकारियों को दिए निर्देश

नवरात्रि समेत आगामी पर्वों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने पर जोर

सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर। आगामी त्योहारों नवरात्रि आदि के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने शनिवार को पुलिस लाइन स्थित सम्मेलन कक्ष में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ गोष्ठी की। इसमें त्योहारों को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। एसपी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए त्योहारों के दौरान सतर्कता बरतने और शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करने के निर्देश दिए। गोष्ठी में अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश राय, समस्त क्षेत्राधिकारी, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, थाना प्रभारी, रेडियो शाखा के आरआई, प्रतिस्वर निरीक्षक पुलिस लाइन, विभिन्न शाखाओं के प्रभारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।



## नवरात्रि मेले की सुरक्षा पर अधिकारियों ने परखी व्यवस्था, पुलिसकर्मियों को दिए निर्देश

कड़ाधाम स्थित शीतला माता मंदिर परिसर और घाटों का किया निरीक्षण, भीड़ प्रबंधन व यातायात सुचारु रखने पर जोर



सबसे तेज प्रयागराज कौशाम्बी। शारदीय नवरात्रि मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी अमिता सिंह एवं क्षेत्राधिकारी कौशाम्बी ने कड़ाधाम स्थित शीतला माता मंदिर परिसर और घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के साथ विभिन्न स्थानों पर तैनात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी भी चेक की गई। अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को सतर्कता और मुस्तेदी के साथ ड्यूटी करने, श्रद्धालुओं से विनम्र व्यवहार रखने तथा भीड़ प्रबंधन और यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तत्पर रहने को कहा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम वातावरण उपलब्ध कराने के लिए पुलिसकर्मों पूरी सतर्कता बरतें।

## शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म का आरोप, वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

मंझनपुर पुलिस ने बंधवा रजभर चौराहे के पास से पकड़ा आरोपी

सबसे तेज प्रयागराज कौशाम्बी। शादी का झांसा देकर युवती को अपने साथ ले जाने, कई बार शारीरिक संबंध बनाने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में वांछित अभियुक्त नितिन सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने रविवार, 11 अक्टूबर को उसे बंधवा रजभर चौराहे के पास से पकड़ा। पुलिस के अनुसार, दो अक्टूबर 2026 को पीड़िता की मां ने थाना मंझनपुर में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि नितिन सिंह उसकी पुत्री को शादी का झांसा देकर अपने साथ ले गया और उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। विरोध करने पर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी गई।



# कौशाम्बी पुलिस ने बरामद किए 110 मोबाइल, 24 लाख रुपये कीमत के फोन मालिकों को लौटाए

पश्चिम शरीरा थाना 21 मोबाइल बरामद कर रहा पहले स्थान पर, सैनी पुलिस ने 16 फोन खोजे

स्वाती मिश्रा कौशाम्बी। जिले के विभिन्न थानों की पुलिस टीमों ने सर्विलांस और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से अलग-अलग कंपनियों के 110 खोए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनकी अनुमानित कीमत करीब 24 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने मोबाइल स्वामियों की पहचान कर उनके फोन वापस सौंप दिए। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के

मुताबिक, सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर यह कार्रवाई की गई। थानों पर तैनात कंप्यूटर ऑपरेटरों और सीसीटीएनएस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण कर मोबाइल फोन को ट्रैक किया। सर्विलांस और मेनुअल इनपुट की मदद से फोन की लोकेशन का पता लगाकर उन्हें बरामद किया गया। पश्चिम शरीरा पुलिस सबसे आगे मोबाइल बरामदगी में पश्चिम शरीरा थाना



21 फोन के साथ पहले स्थान पर रहा। सैनी पुलिस ने 16, जबकि मंझनपुर और सराय अकिल पुलिस ने 13-13 मोबाइल बरामद किए। सदीपनघाट पुलिस ने 10, चरवा और कोखराज पुलिस ने नौ-नौ, महेवाघाट ने छह, कड़ाधाम ने पांच, पिपरी ने चार, मोहम्मदपुर पड़सा ने तीन और कौशाम्बी थाने की पुलिस ने एक मोबाइल बरामद किया। सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज करें शिकायत

खोए मोबाइल फोन की शिकायत नागरिक स्वयं भी सरकारी सीईआईआर पोर्टल ceir.gov.in पर दर्ज कर सकते हैं। थानों में प्राप्त प्रार्थना पत्रों के आधार पर भी पोर्टल पर मोबाइल की जानकारी दर्ज कर उसे ट्रैक करने की प्रक्रिया अपनाई जाती है। इस व्यवस्था से देश के किसी भी हिस्से में सक्रिय खोए मोबाइल का पता लगाने और उसे बरामद कर संबंधित स्वामी को सौंपने में मदद मिलती है।

इफको ऑफिसर्स एसोशिएशन चुनाव में 44 प्रत्याशी मैदान में

अध्यक्ष पद पर 5 उपाध्यक्ष के लिए 4 महामंत्री पद पर 3 प्रत्याशी मैदान में

**सबसे तेज प्रयागराज**  
फूलपुर। इफको फूलपुर इकाई में इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन चुनाव में शनिवार को नाम वापसी के उपरांत चुनाव अधिकारी पी.के.पटेल ने अंतिम सूची जारी की। कुल 44 उम्मीदवारों के बीच विभिन्न पदों पर चुनाव होना है। अध्यक्ष पद पर अनुराग तिवारी, अरविंद कुमार यादव, बबलेश कुमार मिश्र, धर्मेन्द्र कुमार सिंह तथा प्रतीक वर्मा, महामंत्री पद पर स्वयं-प्रकाश, आर.एम.सिंह तथा आशीष कुमार गौतम, उपाध्यक्ष पद पर दिनेश कुमार सिंह, मसरूर अहमद सिद्दीकी, राजेश कुमार श्रीवास्तव तथा राम सागर, संयुक्त मंत्री पद पर अखिलेश चंद्र यादव, अरविंद चौहान तथा राम विशुन, संगठन मंत्री पद पर बी.के.यादव, बी.पी.सिंह (मुन्ना), वी.पी.नरेश, प्रचार मंत्री पर अपूर्व कुमार सक्सेना, राजीव वर्मा, राम दीन पाल तथा संजय सिंह, स्थापना मंत्री पद पर मनोज त्रिपाठी एवं सी.बी.सिंह, कोषाध्यक्ष पद पर गौतम कुमार तथा डी.के.एस.चंदेल, कार्यकारी सदस्य ई0 पद पर रवींद्र कुमार शर्मा तथा सतीश कुमार मौर्या, कार्यकारी सदस्य एए0 पद पर आर.के.मिश्र तथा संजय कुमार श्रीवास्तव, कार्यकारी सदस्य एफ1 पर इंद्रनील राय, एस.के.अवस्थी, गिरीश चंद्र, नवीन कुमार वर्मा, बी.एस.पी.भागेजी राव, कार्यकारी सदस्य जी0 पद पर अजय कुमार दुबे, शैलेश कुमार श्रीवास्तव, कार्यकारी सदस्य जी1 पद पर एस.के. विवरकर्मा, पीयूष मेहता, मनोज कुमार सिंह, राज मणि पटेल, विनीत कुमार दुबे, कार्यकारी पद जी2 पर केवल अम्बुज पाण्डेय ने पर्चा दाखिल किया है, कार्यकारी सदस्य एच 1 पद पर अभिषेक श्रीवास्तव तथा विष्णु कांत तिवारी चुनावी मैदान में होंगे।

पूजा के लिए फूल तोड़ने जा रहे अधेड़ की सड़क हादसे में

वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल अधेड़ ने तोड़ा दम, पुलिस के देर से पहुंचने पर लोगों में आक्रोश

**सबसे तेज प्रयागराज**  
लालगोपालगंज, प्रयागराज। नवाबगंज थाना क्षेत्र के लालगोपालगंज में रविवार सुबह पूजा के लिए फूल तोड़ने जा रहे एक अधेड़ व्यक्ति की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। हादसे के बाद टक्कर मारने वाला अज्ञात निवेन चालक गाड़ी समेत मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना देने के काफी देर बाद तक पुलिस के न पहुंचने पर स्थानीय लोगों में चौकी प्रभारी के प्रति नाराजगी देखने को मिली। जानकारी के अनुसार, अधियारी के पाठक का पूरा निवासी संतोष कुमार शुक्ला करीब 50 वर्ष, पुत्र स्वर्गीय बाबूलाल शुक्ला, रविवार सुबह पूजा के लिए फूल तोड़ने लखनऊ राममार्ग स्थितएचपी पेट्रोल पंप के सामने लगे फूल के पेड़ के पास जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिर पड़े और उनके सिर में गंभीर चोट आई। हादसे के बाद वह अचेत हो गए। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचना दी, लेकिन आरोप है कि सूचना मिलने के काफी देर बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। इससे स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद मृतक के परिवार में शोक छा गया। वहीं स्थानीय लोगों ने दुर्घटना की अंजाम देकर फरार हुए अज्ञात वाहन चालक की पहचान कर उसके खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

सिकंदरा में पुलिस ने जनप्रतिनिधियों के साथ किया रूट मार्च

**चंद्रशेखर यादव बहरिया।** नवरात्रि, दशहरा त्योहारों पर आपसी सामंजस्य एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से उच्चाधिकारियों के निर्देश पर रविवार को दोपहर बाद सिकंदरा में पुलिस ने जनप्रतिनिधियों के साथ रूट मार्च किया गया। रूट मार्च का नेतृत्व चौकी प्रभारी सिकंदरा मारुति नंदन तिवारी ने किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रबुद्धजनों के साथ सिकंदरा बाजार के मुख्य मार्गों पर भ्रमण कर लोगों से आगामी त्योहारों को आपसी सौहार्द एवं सामंजस्य के साथ मनाने की अपील की। चौकी प्रभारी ने कहा कि सभी त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाए जाएं, इसमें पुलिस का सहयोग करें। किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य आशीष भारती, पूर्व प्रधान राजकुमार सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष कमलानगर संजय मौर्य, प्रधान सिकंदरा लक्ष्मीकांत पटेल, प्रधान सिलोखरा पन्नालाल कनौजिया सहित अन्य संभ्रांत नागरिक प्रमुख रूप से रहे।

नवरात्र के प्रथम दिन अमिलिया स्थित मसुरियन माता धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

**सबसे तेज प्रयागराज**  
लालापुर, प्रयागराज। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन रविवार को अमिलिया तरहार स्थित प्राचीन मसुरियन माता धाम में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही दूर-दराज के गांवों से भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने माता के दरबार में माथा टेककर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। माता रानी के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। अमिलिया तरहार स्थित मसुरियन माता धाम लालापुर क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शुमार है। स्थानीय लोगों में मंदिर के प्रति गहरी आस्था है। नवरात्र के अलावा सोमवार और शुक्रवार को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। धाम की विशेष पहचान अगहन माह में लगने वाले एक महीने के मेले से है। इसमें प्रयागराज, कौशांबी, रीवा, मिर्जापुर और चित्रकूट समेत विभिन्न जिलों से श्रद्धालु पहुंचते हैं। नवरात्र के महेनजर मंदिर में विशेष सुरक्षा व्यवस्था के लिए स्थानीय पुलिस मौजूद रहती है।

फूलपुर पुलिस टीम द्वारा मिशन शक्ति के अंतर्गत जागरूकता अभियान जारी बालिकाओं और महिलाओं की सुरक्षा की सुरक्षा को लेकर पुलिस टीम ने कसी कमर

**सबसे तेज प्रयागराज**  
फूलपुर। मिशन शक्ति फेस 5.2 अभियान के अंतर्गत फूलपुर थाने की मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो की टीम द्वारा क्षेत्र के शिक्षण संस्थानों व प्रमुख बाजारों में निरन्तर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मिशन शक्ति की टीम द्वारा आयोजित चौपाल में महिलाओं एवं छात्राओं को जहां महिला उप निरीक्षक जागरूक कर रही हैं वहीं छुट्टी के समय विद्यालयों के पास अनावश्यक रूप से जमे मनचलों से भी पुछताछ कर उनके सख्त हद्दयत दी जा रही है। रविवार को फूलपुर थाने की मिशन शक्ति टीम



ने थाना प्रभारी शेषनाथ पाल ने फूलपुर कस्बा, प्रतापपुर,

मां दुर्गा की भक्ति में सराबोर हुआ सिकटा बाजार, कलश यात्रा में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री

सतीश चंद्र दुबे ने मां भगवती से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

**सबसे तेज प्रयागराज सिकटा।** शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे सिकटा विधानसभा क्षेत्र के सिकटा बाजार में आयोजित कलश यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान पूरा वातावरण मां दुर्गा की भक्ति, श्रद्धा और आस्था से सराबोर नजर आया। मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने मां भगवती की आराधना करते हुए समस्त क्षेत्रवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने प्रार्थना की कि मां दुर्गा की कृपा सभी पर बनी रहे और समाज में सद्भाव,



शक्ति एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो। कलश यात्रा में स्थानीय कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही। भक्तिमय माहौल में आयोजित इस कार्यक्रम ने क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और आस्था का संदेश दिया।

शारदीय नवरात्र के अवसर पर महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण का संदेश

**सबसे तेज प्रयागराज**  
प्रयागराज । पुलिस आयुक्त, अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) के कुशल निर्देशन एवं पुलिस उपायुक्त नगर के कुशल पर्यवेक्षण में शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर नगर जोन, कमिश्नरेट प्रयागराज के थाना शाहगंज पुलिस की मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत विशेष जन-जागरूकता रैली अभियान चलाया गया।



उक्त अभियान के अंतर्गत पुलिस टीम द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं से संवाद करते हुए उन्हें महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न कानूनी प्रावधानों, आत्मरक्षा, महिला अधिकारों तथा शासन द्वारा महिलाओं के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए संचालित योजनाओं के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान महिला पावर लाइन 1090, डायल 112, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं को किसी भी प्रकार की असुरक्षा, छेड़छाड़, उत्पीड़न अथवा अपराधिक गतिविधि की स्थिति में तत्काल संबंधित हेल्पलाइन अथवा स्थानीय पुलिस से संपर्क करने हेतु

लालगोपालगंज, प्रयागराज। लालगोपालगंज पुलिस चौकी में एक जेसीबी को ले जाने और करीब दो घंटे बाद छोड़ दिए जाने का मामला चर्चा में है। जेसीबी को चौकी ले जाने की वजह और उसे छोड़ने के आधार को लेकर सवाल उठ रहे हैं। मामले में चौकी पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

आरोप है कि रविवार को चौकी प्रभारी ने जेसीबी संचालक को चौकी बुलाकर धमकाया और कथित तौर पर पैसे लेकर जेसीबी छोड़ दी। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र या आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले के उच्चाधिकारियों के संज्ञान में आने की बात भी सामने आई है। इस संबंध में डीसीपी गंगानगर सोनम कुमार ने बताया कि प्रकरण की जांच चल रही है। जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अब जांच के निष्कर्ष पर निगाहें टिकी हैं कि आखिर जेसीबी को चौकी क्यों ले जाया गया और करीब दो घंटे बाद उसे छोड़ने का आधार क्या था।

नवरात्र पर मिशन शक्ति अभियान, रैली निकालकर महिलाओं को किया जागरूक कीडगंज पुलिस ने महिला सुरक्षा, हेल्पलाइन नंबरों और साइबर अपराध से बचाव की दी जानकारी

**सबसे तेज प्रयागराज**  
प्रयागराज। शारदीय नवरात्र के अवसर पर मिशन शक्ति अभियान फेज-5 (द्वितीय चरण) के तहत कीडगंज पुलिस की मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो टीम ने क्षेत्र में रैली निकालकर महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया। अभियान पुलिस आयुक्त और अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त नगर के पर्यवेक्षण में चलाया गया।



इस दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं, बालिकाओं और स्थानीय लोगों से संवाद कर बाजारों में पहुंचकर महिलाओ एवं बेटियों को महिला सशक्तिकरण, साइबर क्राइम से बचाव, ऑनलाइन धोखाधड़ी, छेड़छानि तथा बाल अपराध जैसे विषयों पर विस्तार से जागरूक किया। टीम ने बेटियों को सुरक्षा संबंधी सावधानियां अपनाने और किसी भी समस्या की स्थिति में तुरंत सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए महिला उप निरीक्षक ज्योति रावत ने बालिकाओं और महिलाओं से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की समस्या या अपराध की स्थिति में बिना झिझक हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करें और अपने

महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों, अधिकारों, आत्मरक्षा के उपायों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही छेड़छाड़, उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और साइबर अपराध की स्थिति में बिना डर के पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस ने महिला पावर लाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के बारे में जानकारी दी। सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल और ऑनलाइन उगी से बचाव के उपाय भी बताए गए।

किसानों की समस्याओं पर आज होगी बैठक, डीएम करेंगी अध्यक्षता

भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के ज्ञापन पर कलेक्ट्रेट के संगम सभागार में जुटेंगे संबंधित अधिकारी

**सबसे तेज प्रयागराज**  
प्रयागराज। किसानों की समस्याओं के समाधान को लेकर सोमवार, 12 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट स्थित संगम सभागार में आवश्यक बैठक आयोजित की जाएगी। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में होने वाली यह बैठक अपराह्न दो बजे शुरू होगी।

कौंधियारा में 5.68 टन अवैध पटाखे बरामद, एक के खिलाफ मुकदमा

249 कार्टन और प्लास्टिक की बोरियों में रखा था पटाखों का जखीरा, पुलिस और अग्निशमन विभाग की संयुक्त टीम ने की कार्रवाई

**सबसे तेज प्रयागराज**  
प्रयागराज। कौंधियारा थाना क्षेत्र के अकोढ़ा गांव में पुलिस और अग्निशमन विभाग की संयुक्त टीम ने छापा मारकर 5,684.880 किलोग्राम अवैध पटाखे बरामद किए। पटाखे 249 कार्टन और प्लास्टिक की बोरियों में रखे गए थे। मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली थी कि अकोढ़ा गांव में अवैध रूप से पटाखों का भंडारण किया गया है। इस पर कौंधियारा पुलिस और नैनी अग्निशमन विभाग की संयुक्त टीम ने गांव में छापा मारा। तलाशी के दौरान त्रिलोकीनाथ केसरवानी पुत्र स्वर्गीय दीपचन्द्र केसरवानी के घर से 249 कार्टन और प्लास्टिक की बोरियों में रखे पटाखे बरामद हुए। इनका कुल वजन 5,684.880 किलोग्राम बताया गया है। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर त्रिलोकीनाथ केसरवानी के खिलाफ कौंधियारा थाने में मुकदमा संख्या 295/2026 दर्ज किया है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 287 और विस्फोटक अधिनियम, 1884 की धारा 9बी के तहत कार्रवाई की गई है। कार्रवाई करने वाली टीम में कौंधियारा के थानाध्यक्ष अनिल कुमार पाण्डेय, नैनी फायर स्टेशन के अधिकारी महन्तु समेत पुलिस और अग्निशमन विभाग के कर्मचारी शामिल रहे।

फूलपुर में बसपा नेताओं का किया गया भव्य स्वागत

**सबसे तेज प्रयागराज**  
फूलपुर। बहुजन समाज पार्टी के जनपद प्रयागराज के नेताओं का रविवार को फूलपुर प्रथम आगमन पर कस्बा फूलपुर में नगर पंचायत फूलपुर के वार्ड नंबर 12 के सभासद सिराज अंसारी द्वारा बसपा समर्थक भारतीय मुस्लिम मंच के राष्ट्रीय संयोजक डॉक्टर मुमताज आलम रिजवी जो, बहुजन समाज पार्टी के शहर पश्चिमी प्रभारी मोहिबुल हक , बीएसपी के वरिष्ठ नेता वैश जी, एवं हाफिज अनवर का फूलपुर चौराहे पर भव्य स्वागत किया गया । स्वागत करने वालों में मोहल्ला कोहना के सभासद सिराज अंसारी, बीएसपी के वरिष्ठ नेता मामूर सलमानी, सैफ कुरेशी, मोहम्मद अली उर्फ लल्लू, फैज सलमानी, मोहम्मद सलमान उर्फ टिपू, मोहम्मद नौशाद, सलाउद्दीन, बेचन मौर्य, सैयद आजम एडवोकेट, इम्मी भाई, बेलाल राईन आदि लोगों ने फूलों का हार पहना कर सभी अतिथियों का भव्य स्वागत किया मिशन 2027। सुश्री बहन कुमारी मायावती जी को उत्तर प्रदेश की पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया।



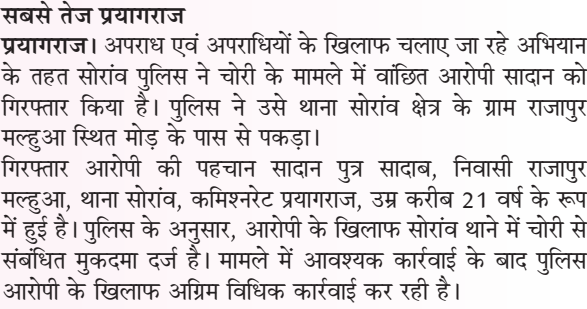
फूलपुर पुलिस टीम ने त्योहारों को देखते हुए किया पलैग मार्च

**सबसे तेज प्रयागराज**  
फूलपुर। आगामी त्यौहार शरद नवरात्रि देवी जागरण,दशहरा रामलीला एवं दीपावली जैसे महत्वपूर्ण त्योहारों पर शांति व्यवस्था के साथ उक्त पारंपरिक त्योहारों को मनाए जाने का संदेश लेकर रविवार को एसीपी फूलपुर राजकुमार सिंह एवं थाना प्रभारी शेषनाथ पाल के नेतृत्व में दर्जनों की संख्या में पुलिस टीम ने कस्बे के शेषपुर,जमीलाबाद,फरीदाबाद,दुनियागंज एवं फूलपुर रेलवे फाटक सहित सभी मोहल्लों में प्लेगमार्च निकालकर शासन के निर्देश बताते हुए शांति का संदेश दिया । इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यदि उपरोक्त त्योहारों पर किसी उपद्रवी द्वारा फजीं तरीके से अफवाह फैलाई गई या फिर शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश की गई तो पुलिस उसके साथ शक्ति से निपटने के लिए तैयार है सभी लोग अपने त्योहारों को पारंपरिक तरीके से मनाएं।



सोरांव पुलिस ने चोरी के मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार

**राजापुर मल्लुआ मोड़ के पास से पकड़ा गया 21 वर्षीय सादान**  
सबसे तेज प्रयागराज। अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सोरांव पुलिस ने चोरी के मामले में वांछित आरोपी सादान को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे थाना सोरांव क्षेत्र के ग्राम राजापुर मल्लुआ स्थित मोड़ के पास से पकड़ा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सादान पुत्र सादाब, निवासी राजापुर मल्लुआ, थाना सोरांव, कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 21 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ सोरांव थाने में चोरी से संबंधित मुकदमा दर्ज है। मामले में आवश्यक कार्रवाई के बाद पुलिस आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई कर रही है।



इसमें संबंधित विभागों के अधिकारियों को समय से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के मंडल अध्यक्ष (मेन बॉडी) बल्लू दुबे ने 29 सितंबर 2026 को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर किसानों की विभिन्न समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट करवाया था। इसी के मद्देनजर एक अक्टूबर को जारी पत्र के माध्यम से बैठक निर्धारित की गई है। बैठक में कृषि, सिंचाई, बिजली, पशुपालन, पंचायत राज, राजस्व, खाद्य एवं विपणन, खनन और ग्रामीण विकास समेत विभिन्न विभागों से जुड़े अधिकारी शामिल होंगे। इनमें उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, विद्युत वितरण खंड के अधिशासी अभियंता, जिला पंचायत राज अधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी और खंड विकास अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हैं। बैठक का उद्देश्य किसानों की समस्याओं पर विचार-विमर्श कर उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाना है। संबंधित अधिकारियों से बैठक में समय से प्रतिभाग करने को कहा गया है।

## हिमालय की प्रदूषण-मुक्ति भी हो पहाड़ी तीर्थयात्रा का उद्देश्य



ललित गर्ग

**हिमालय हमें बहुत कुछ देता है-जल, वन, जैव विविधता, जलवायु संतुलन, संस्कृति और आध्यात्मिक ऊर्जा। बदले में हमारी जिम्मेदारी केवल वहां जाकर पूजा करना नहीं, बल्कि उस प्रकृति की रक्षा करना भी है। तीर्थयात्री यदि एक बोतल पानी लेकर पहाड़ पर जा सकता है तो खाली बोतल वापस भी ला सकता है। यह छोटा-सा संकल्प बड़े परिवर्तन का आधार बन सकता है।**

### संपादकीय

#### कैंसर इलाज में राहत

सही मायने में इसे एक अमानवीय कृत्य ही कहा जाएगा कि कैंसर जैसे घातक रोग से जुझ रहे मरीजों से दवाओं के मनमाने दाम वसूले जाएं। इस जानलेवा रोग से जुझ रहे मरीजों की यूं तो उपचार की अन्य मर्गों में भी काफी खर्च करना पड़ता है, लेकिन दवाओं की अधिक कीमतों पर नियंत्रण लगाया जाना किसी हद तक राहतकारी साबित हो सकता है। अब केंद्र सरकार ने नॉन-शेड्यूल्ड एंटी-कैंसर दवाइयों पर ट्रेड मार्जिन को तीस फीसदी तक सीमित करने का फैसला किया है। निस्संदेह, यह कदम उस हेल्थकेयर क्षेत्र में एक स्वागत योग्य पहल है, जहां मरीजों को अधिक पैसा चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। दरअसल, कैंसर का त्रास झेल रहे व्यक्ति व उसके परिवार पर इस रोग का उपचार आर्थिक रूप से भारी बोझ डालता है। ऐसे में कैंसर रोग में काम आने वाले दवाइयों की कीमत में कमी लाने का प्रयास समय की जरूरत भी है। सरकार का अनुमान है कि दवाइयों की कीमतों में नये सिर से नियमन के जरिये मरीजों को हर साल 2,500 करोड़ रुपये तक की बचत होगी। इस बाबत दावा किया जा रहा है कि कुछ दवाइयों की कीमतों में सत्तर फीसदी तक की कमी आ सकती है। हालाँकि, मरीजों को लाभ के आंकड़े अनुमानित हैं और इनकी हकीकत प्रावधानों के लागू होने पर ही स्पष्ट हो पायेगी। वास्तव में सबसे पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि दशायीं जा रही राहत वास्तव में मरीजों तक भी पहुंचे। समय रहते अधिकारियों को तुरंत उन दवाओं की जानकारी मरीजों व तितारदारों को देनी चाहिए, जिन पर यह कटौती लागू की गई है। साथ ही दर्ज की गई कीमतों में बदलाव को भी स्पष्ट करना चाहिए। इसके अलावा नियमों का पालन सुनिश्चित करने पर नजर रखी जानी चाहिए। दूसरी ओर ज्यादा कीमत वसूलने वालों पर जुर्माना लगाया जाना चाहिए। सरकार को यह भरोसा भी कायम करना होगा कि नई कीमत नियमन के लागू होने के बाद दवा कंपनियां सप्लाई ब्यावत बनाये रखेंगी। सही मायने में कीमतों में आई असली कमी झमरीजों की बचत और दवाइयों की उपलब्धता की समय-समय पर जानकारी देने से ही सुनिश्चित हो सकेगी। तभी पता चलेगा कि यह कदम वास्तव में कितना कारगर है। दरअसल, सरकार द्वारा कैंसर के मरीजों को राहत देने का यह प्रयास नेशनल फार्मास्यूटिकल प्र्राइसिंग अथॉरिटी के 2019 के उस फैसले को ही आगे बढ़ाता है, जिसमें 42 नॉन-शेड्युलड कैंसर-रोगी दवाओं को शामिल किया गया था। दवा किया जाता रहा है कि उस पहल के उपरांत दवाइयों के 526 ब्रांड्स में वार्षिक रूप से 984 करोड़ रुपये की बचत मरीजों को हुई थी। अतः पिछला अनुभव बताता है कि ट्रेड मार्जिन को रेगुलेट करने से पूरी मार्केट में एक जैसी कीमतें लागू किए बिना भी मरीजों को वास्तविक लाभ जमीनी स्तर पर मिल सकता है। वास्तव में कैंसर के मरीजों को राहत देने के उपायों के क्रम में और अधिक दवाइयों को इस राहत के दायरे में लाना होगा। जिसमें विदेशों से आयातित और पेटेन्टेड दवाइयां भी शामिल हैं। तभी कैंसर रोगियों को वास्तव में अधिक राहत मिल सकेगी क्योंकि अभी भी उन्हें बहुत ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है।

#### चितन-मनन

#### सुखी रहने के लिए लैं धर्म की शरण!

दुनिया का हर व्यक्ति केवल सुख ही चाहता है। दुःख से सब दूर भागते हैं। यदि हमें सुखी रहना है तो सबसे पहले धर्म से जुड़ना होगा। किसी के मन को दुखाना भी पाप है। भागदौड़ भरी जिंदगी में आज हर व्यक्ति विवेक नहीं रख पाता है। इसलिए पाप बंध को बांधता चला जाता है और पाप बंधने के कारण सुखी नहीं हो पाता। इसलिए सुखी रहने के लिए धर्म की शरण में जाकर धर्म के मर्म को समझना होगा। धर्म की शुरूआत व्यक्ति को सबसे पहले अपने घर से ही करना चाहिए। यदि हम विवेकपूर्ण जीवन जिएंगे तो पाप से बच पाएंगे और जो पाप से बच पाएंगा, वहीं सही मायनों में धर्म से भी जुड़ पाएंगा। मयादाँओं को भंग करना पाप की श्रेणी में आता है। इसी तरह किसी के मन को दुखाना भी पाप है। हमें अपने जीवन काल में सुख प्राप्त के लिए जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा, क्योंकि जिनवाणी अमृत रूप है। हमारा सौभाग्य है कि हमें जिनवाणी श्रवण का सुअवसर मिला है। जीवन में यदि सुख प्राप्त करना है तो जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा। धर्म आधारित जीवन जीते हुए ही मनुष्य वैराग्य की ओर अग्रसर हो सकता है। संपूर्ण जीवन लोभ, मोह, मद, मान और माया में ही व्यतीत हो जाता है और प्रभु आराधना का समय सही नहीं मिल पाता तथा व्यक्ति संसार से प्रस्थान भी कर जाता है। संसार में रहते हुए वैराग्य के प्रसंग जीवन में आते हैं। फिर भी विरक्ति नहीं होती। इसलिए निरंतर साधना व स्वाध्याय करते रहना चाहिए। सुखी और सफल जीवन के लिए भौतिक सुख नहीं, आध्यात्मिक सुख ज्यादा जरूरी है, जो वैराग्य से ही प्राप्त हो सकता है। संसार के सभी भीम सुख चाहते हैं। सभी लोग सुख प्राप्त करने के लिए ही पुरुषार्थ करते हैं, लेकिन सच्चा सुख कहाँ है, इसका हमें ध्यान नहीं है। जो जीवात्मा अरिहंत परमात्मा की वाणी को आत्मसात करती है, उसकी सभी प्रकार की आधि-व्याधि नष्ट हो जाती है। जिसने आत्मस्वरूप की पहचान कर ली है, वहीं धर्मध्यान में लीन होगा। हमारे आरंभध्यान और गैरध्यान से जीवन भटक जाता है। धर्मध्यान को अपनाकर व्यक्ति प्रत्येक परिस्थिति में भी समभाव को धारण कर सकता है। आज धर्मध्यान की जगह धन का ध्यान ज्यादा किया जा रहा है। पैसा साधन जरूर है, पर वह साध्य नहीं है। विडंबना यह है कि आज व्यक्ति धन को ही साध्य मानने की भूल कर रहा है।

हिमालय केवल पर्वतों की एक श्रृंखला नहीं है, वह भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक आस्था और प्राकृतिक जीवन का आधार है। उसकी चोटियों में तप की स्मृतियां हैं, उसकी नदियों में करोड़ों लोगों की जीवनधारा बहती है और उसकी घाटियों में असंख्य धार्मिक स्थल सदियों से श्रद्धालुओं को आकर्षित करते रहे हैं। हिमाचल प्रदेश सहित पूरे हिमालयी क्षेत्र में हिंदू धर्म के अनेक प्रमुख तीर्थस्थल हैं। इन स्थानों पर पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए आस्था का विषय है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि पिछले कुछ वर्षों में तीर्थयात्रा और पर्यटन के बीच की सीमा धुंधली होती जा रही है। दर्शन और आध्यात्मिक अनुभूति के साथ मनोरंजन, मोज़-मस्ती और उपभोक्तावादी जीवनशैली का प्रवेश पहाड़ों की संवेदनशीलता पर भारी पड़ रहा है। हिमालय की सबसे बड़ी विशेषता ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है। यहां का पर्यावरण अत्यंत नाजुक है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मिट्टी की परत पतली है, वनस्पतियों की पुनरुत्पादन क्षमता सीमित है और कचरे के प्राकृतिक रूप से नष्ट होने की प्रक्रिया मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत धीमी है। इसके बावजूद हम हजारों-लाखों लोगों को एक साथ इन क्षेत्रों में पहुंचा रहे हैं। वाहनों की लंबी कतारें, पार्किंग का दबाव, होटल और ढाबों का अनियोजित विस्तार, प्लास्टिक की बोतलें, खाद्य पदार्थों के रैपर, पॉलीथिन और डिस्पोजेबल सामग्री पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण को लगातार चोट पहुंचा रहे हैं।

चायधाम यात्रा के दौरान इस वर्ष सितंबर के मध्य तक 800 टन से अधिक कचरा एकत्र होने की सूचना इस संकट की गंभीरता को सामने रखती है। केदारनाथ जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में अप्रैल से अगस्त के बीच 50.30 टन कचरा जमा होना विशेष चिंता का विषय है। यह तथ्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फेंकी गई एक प्लास्टिक बोतल केवल एक बोतल नहीं रहती, वह लंबे समय तक पर्यावरण में मौजूद रहकर मिट्टी, जलस्रोतों और वन्यजीवन के लिए खतरा बन सकती है। विडंबना



देखिए-जिस स्थान पर मनुष्य आत्मशुद्धि, संयम और त्याग की भावना लेकर जाता है, वहीं वह अपने पीछे कचरे का निशान छोड़ आता है। क्या ऐसी यात्रा को वास्तव में तीर्थयात्रा कहा जा सकता है? तीर्थ का अर्थ केवल किसी मंदिर तक पहुंच जाना नहीं है। तीर्थ मनुष्य के भीतर परिवर्तन की यात्रा है। यदि मंदिर में माथा टेकने के बाद हम उसी पर्वत की गोद में प्लास्टिक फेंक दें, जिसकी पवित्रता के नाम पर वहां पहुंचे हैं, तो हमारी आस्था अधूरी रह जाती है।

इस संदर्भ में ह्यकैरी भी बैकह्म अभियान उम्मीद की एक महत्वपूर्ण किरण है। लगभग पांच हजार तीर्थयात्रियों द्वारा करीब 18 किलोमीटर के रास्ते से 12 टन से अधिक कंस्ट्रेड प्लास्टिक वापस नीचे लाना बताता है कि श्रद्धालुओं को सहभागी बनाया जाए तो वे पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह केवल कचरा उठाने का अभियान नहीं, बल्कि तीर्थयात्रा की मानसिकता बदलने का

### नवरात्र पर घर घर मे होती है साझी पूजा

नई नई डिजाईन व नये नये साज श्रंगार के साथ सांझी तैयार करती थी। सांझी के साथ चांद तारे से लेकर कई आकृतियां सजाई जाती थी। जो शिल्पकला का अदभुत नमूना होता है।

श्राद्ध पक्ष आते ही सांझी बनाने का सिलसिला शुरू हो जाता है और नवरात्र से एक दिन पहले गोबर से चिपकाकर दिवारों पर सांझी लगाई जाती है।समय के साथ सांझी भी हाईटेक हो गई है। अब सांझी घरों में बनाने के बजाए बाजार से खरीदकर लगाई जाती है।एक सांझी 100 रुपए से 500 रुपए तक आसानी से मिल जाती है। ऐसे में सांझी को घर में बनाने की परम्परा अब खत्म प्रायः हो गई है।जिससे घर की लड़कियां सांझी बनाने की शिल्पकला से वंचित हो गई है। एक बोध कथा के अनुसार, सांझी एक गरीब परिवार में जन्मी एक ऐसी लड़की थी, जिसे ससुराल भी गरीब ही मिली। ससुराल में सांझी को कई झूठे उल्हास और ताने सहन करने पड़ते थे। यानि सांझी को ससुराल में प्रताडित किया गया। सांझी को मायके लिवाने जब उसका भाई दुलीचन्द उसकी ससुराल आया तो उससे सांझी की पीडा देखी नही गई। हद तो तब हो गई जब ससुराल वालों ने सांझी को उसके भाई के साथ भेजने से इंकार कर दिया।सांझी जिद पर अड गई और भाई दुलीचन्द के साथ मायके चली गई । जहां पहुंचने पर सांझी की आरती उतारकर पूरे गांव ने स्वागत किया। सांझी के मायके में स्वागत के दौरान चना जिसे चाब कहा जाता है,का प्रसाद बाटा गया । तभी से यह पर्व मनाने और पर्व पर चाब के रूप में भीगे हुए चने बांटने की परम्परा है।

राधा बल्लभ संप्रदाय के अनुयायी सांझी को राधा कृष्ण

की प्रेम भक्ति के रूप व्याख्यायित करते है तो कही कही सांझी की पूजा 16 दिनों तक किये जाने की भी परम्परा है। लोक कथाओं के साथ साथ लोक गीतों में कालजयी सांझी की कथा सहज ही समझ में आ जाती है। सांझी की आरती सुबह शाम करते समय प्रार्थना के रूप में जो लोक गीत गाए जाते है उन लोक गीतो की एक बानगी देखिए,
चाब दे री चाब दे
सांझी की मां चाब दे , तेरी सांझी जीवे चाब दे ।
इसी तरह आरता री आरता
सांझी मां आरता ।
गाकर सांझी मां की पूजा की जाती है। इसी सांझी मां की प्रतिमा के सामने सांझी स्थापना के अगले दिन कच्ची मिटटी में जौ बोये जाते है। प्रतिदिन सुबह शाम सांझी को स्नान कराने समय व भोग लगाते समय इन बोये गए जौ में नियमित पानी छिडकने से जौ अंकुरित होकर पौधा बनने लगता है जिसे नोरेत कहते है। चूँकि दशहरे तक ये नोरेत काफी बडे हो जाते है इस लिए अन्ही नोरेतों से दशहरा की पूजाकर कर बहने अपने भाइयों के कानो पर नोरेत रखकर उनकी दिधारुं की कामना करती है और बदले में भाई अपनी बहन को सोगत देता है। हालांकि सांझी प्रतिमा को दशहरे से एक दिन पूर्व ही श्राद्धाभाव से दशारकर किसी दरिया में विर्सजित कर दिया जाता है।वर की लडकिया सांझी प्रतिमा को विर्सजित करते समय उदास भी होती है क्योंकि उन्हीने सांझी की प्रतिमा को बडे परिश्रम व उत्साह से बनाया था। परन्तु उन्हे यह ढाँढस बंधाकर कि अगले साल फिर सांझी मां आएगी और उन्हे फिर से सांझी की एक अच्छी सी प्रतिमा बनाने का अवसर मिलेगा, लडकियों को मना लिया जाता है।सचमुच लडकियों में सांझी बनाने के नाम पर उनकी शिल्पकला प्रदर्शित करने का नवरात्र एक अच्छा अवसर

### बेटियों को बचपन, अधिकार और उड़ान देने का समय

विशेष महत्व दिया है। बाल विवाह वस्तुतः बचपन, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वतंत्रता का एक साथ हनन है। कम उम्र में विवाह होने से लड़कियों की पढ़ाई छूटने, कम उम्र में गर्भधारण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं, घरेलू हिंसा और आर्थिक निर्भरता का जोखिम बढ़ सकता है। इससे उनका व्यक्तित्व विकास बाधित होता है और निर्णय लेने की क्षमता सीमित रह जाती है। गरीबों, दहेज की चिंता, असुरक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा की गलत धारणाएं और पितृसत्तात्मक मानसिकता इस कुप्रथा को बनाए रखने में भूमिका निभाती हैं। कई परिवार आर्थिक कठिनाइयों से छुटकारा पाने अथवा लड़की को सुरक्षा सुनिश्चित करने के नाम पर कम उम्र में विवाह को उचित ठहराते हैं जबकि वास्तविक समाधान उसे शिक्षित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, दुनिया में हर वर्ष 1.2 करोड़ से अधिक लड़कियों का विवाह 18 वर्ष की आयु पूरी होने से पहले हो जाता है। यह आंकड़ा बताता है कि बाल विवाह कोई सीमित क्षेत्र की सामाजिक समस्या नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर बाल अविवाह के सामने खड़ी गंभीर चुनौती है। यूनिसेफ के अनुसार, पिछले दशकों में बाल विवाह की व्यापकता घटने में प्रगति हुई है लेकिन इसकी रफ्तार तेज करना जरूरी है। संघर्षग्रस्त क्षेत्रों, मानवीय संकटों और जलवायु आपदाओं से प्रभावित समुदायों में लड़कियों के सामने जोखिम और बढ़ जाते हैं। विस्थापन, गरीबी तथा शिक्षा और सुरक्षा सेवाओं की अनुपलब्धता उन्हें कम उम्र में विवाह के प्रति अधिक असुरक्षित बना सकती है। भारत में भी स्थिति संतोषजनक नहीं कही जा सकती। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार, 20 से 24 वर्ष आयु वर्ग की 23.3 प्रतिशत महिलाओं का विवाह 18 वर्ष से पहले हो गया था। यह आंकड़ा पिछले सर्वेक्षण के 26.8 प्रतिशत से कम अवश्य है लेकिन अब भी लगभग हर चार में से एक महिला के बाल विवाह के अनुभव की ओर संकेत करता है। राज्यों और सामाजिक समूहों के बीच अंतर भी इस चुनौती को जटिल बनाता है। इसलिए राष्ट्रीय औसत में सुधार को समस्या का अंत मान लेना उचित नहीं होगा। ग्रामीण क्षेत्रों, वंचित समुदायों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों तक प्रभावी सहायता पहुंचाना अब भी आवश्यक है।

बाल विवाह के विरुद्ध भारत में कानूनी व्यवस्था मौजूद है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के अंगर्गत सामान्यतः लड़की के लिए 18 वर्ष और लड़के के लिए

21 वर्ष से कम आयु में विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है। कानून का उद्देश्य केवल विवाह रोकना नहीं बल्कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना भी है। हालांकि, कानून की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि बाल विवाह की सूचना मिलने पर प्रशासन कितनी तत्परता से कार्रवाई करता है, बाल संरक्षण तंत्र कितना सक्रिय है और पीड़ित बालिका को विवाह रकने के बाद शिक्षा, परामर्श, सुरक्षा तथा आर्थिक सहायता कितनी उपलब्ध होती है। किसी विवाह को रोक देना महत्वपूर्ण है लेकिन लड़की को उसके बाद सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन का अवसर देना उतना ही जरूरी है। बालिकाओं के सर्वाधिकरण के लिए भारत में कई महत्त्वपूर्ण पहलें की गई हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान ने बालिका के जन्म, शिक्षा और सामाजिक सम्मान को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाने में भूमिका निभाई है। सुकन्या समृद्धि योजना परिवारों को बालिका के भविष्य के लिए बचत करने का अवसर देती है। शिक्षा के क्षेत्र में छात्रवृत्तियां, विद्यालयों में शौचालय, किशोरियों के स्वास्थ्य कार्यक्रम और कौशल विकास को पहले उनकी निरंतर पढ़ाई तथा आत्मनिर्भरता के लिए उपयोगी हैं। पश्चिम बंगाल की कन्याश्री जैसी योजनाओं ने बालिकाओं की शिक्षा जारी रखने और बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया है। किंतु योजनाओं की वास्तविक उपलब्धि घोषणाओं अथवा लाभार्थियों की संख्या से नहीं, इस बात से मापी जानी चाहिए कि कितनी लड़कियां विद्यालय में बनी रही, कितनों का विवाह कानूनी आयु से पहले नहीं हुआ और कितनों को अपनी पसंद का जीवन चुनने की स्वतंत्रता मिली।

बालिका अधिकारों का प्रश्न शिक्षा और विवाह की आयु तक सीमित नहीं है। डिजिटल युग में इंटरनेट तक असमान पहुंच, ऑनलाइन उर्पीड़न, लैंगिक भेदभाव और सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों की कमी भी लड़कियों की संभावनाओं को सीमित करती है। विद्यालयों में विज्ञान, तकनीक, गणित और उद्यमिता के अवसरों के साथ जीवन-कौशल, डिजिटल साक्षरता, आत्मरक्षा तथा स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। किशोरियों को मासिक धर्म, प्रजनन स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य पर बिना संकोच बात करने का वातावरण मिलना चाहिए। परिवारों को भी यह समझना होगा कि सुरक्षा के नाम पर लड़कियों की आवाजाही, मित्रता और शिक्षा पर अनावश्यक प्रतिबंध लगाना समाधान नहीं है। सुरक्षित वातावरण तैयार करना समाज और संस्थाओं की जिम्मेदारी है।

वाला दबाव यातायात, जलापूर्ति, सीवेज, ठोस कचरा और स्थानीय संसाधनों पर असर डालता है। पहाड़ों की वहन क्षमता मैदानी शहरों जैसी नहीं है। इसलिए किसी भी तीर्थ या पर्यटन स्थल की लोकप्रियता को केवल अधिकाधिक लोगों को वहां पहुंचाने की सफलता के रूप में नहीं देखा जा सकता। अब समय आ गया है कि ह्यजितने अधिक पर्यटक, उतना अधिक विकासह्म की सोच को ह्यजितना संवेदनशील पर्यावरण, उतना जिम्मेदार पर्यटनह्म में बदला जाए। तीर्थस्थलों की वहन क्षमता का वैज्ञानिक अध्ययन हो और उसके आधार पर प्रतिदिन या मौसम के अनुसार आगंतुकों की संख्या निर्धारित की जाए। सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रभावी नियंत्रण हो, पानी के रिफिल स्टेशन बढ़ाए जाएं, बोतलों और पैकेजिंग के लिए डिपॉजिट-रिटर्न व्यवस्था लागू की जाए तथा कचरे को स्रोत पर ही अलग करने की व्यवस्था हो। दुकानदारों, होटल संचालकों और वेंडरों को उनके द्वारा उत्पन्न कचरे के प्रति जवाबदेह बनाया जाना चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण है तीर्थयात्रा की मानसिकता में परिवर्तन। पहाड़ हमारे मनोरंजन के मैदान नहीं हैं। वे हमारी आने वाली पीढ़ियों की प्राकृतिक विरासत हैं। जिस नदी के किनारे हम पूजा करते हैं, वही नदी नीचे बसे करोड़ों लोगों का जीवन है। जिस जंगल को हम केमरे में कैद करते हैं, वही जंगल पहाड़ी पारिस्थितिकी को संतुलित करता है। जिस पर्वत को हम देवभूमि कहकर नमन करते हैं, उसकी ढलानों पर प्लास्टिक फेंकना हमारी अपनी श्रद्धा का अपमान है। नेपाल और हिमालयी क्षेत्र में समय-समय पर अत्यधिक वर्षा, बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने यह चेतावनी दी है कि पर्वतीय पारिस्थितिकी के साथ छेड़छाड़ के परिणाम गंभीर हो सकते हैं। हर आपदा को सीधे पर्यटन या प्रदूषण का परिणाम मानना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं होगा, लेकिन इतना निश्चित है कि अनियोजित निर्माण, अत्यधिक मानवीय दबाव, वन क्षरण और कचरा प्रबंधन की कमजोरी पर्वतीय क्षेत्रों की संवेदनशीलता को बढ़ा सकती है।



है। जिसमें कन्या की पूजा के साथ ही स्त्री शक्ति सम्मान के रूप में मां दुर्गा का भावपूर्ण स्मरण किया जाता हैऔर श्रद्धालु पूरे नवरात्र उपवास रखकर मां सांझी व मां दुर्गा की पूजा अर्चना करते है। साथ ही नन्ही मुन्नी बच्चियों को भोजन करारक उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। है न भारतीय संस्कृति की यह अमूर्ती परम्परा ,जहां आधी दुनिया यानि स्त्री जाति के सम्मान का एक बडा अवसर है। शास्त्रों में भी उल्लेख मिलता है कि जहां नारी का सम्मान होता है वहां ईश्वर वास करते है और जहां ईश्वर वास करते है वह स्थान स्वर्ग बन जाता है।तो आइए इस धरा को भी स्वर्ग बनाए कन्या भ्रूण हत्या होने न दे,बेटी के जन्म पर फक्र करे और उन्हें बेटी के समान पोषण व संरक्षण दे।तभी नवरात्र की सार्थकता है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

वैश्विक स्तर पर लैंगिक समानता की स्थिति भी बताती है कि अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। विश्व आर्थिक मंच की ह्यग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025ह्म में भारत 148 अर्थव्यवस्थाओं में 131वें स्थान पर रहा और उसका समग्र लैंगिक समानता स्कोर 64.4 प्रतिशत दर्ज किया गया। यह सूचकांक बालिकाओं की स्थिति का प्रत्यक्ष माप नहीं है लेकिन व्यापक लैंगिक असमानताओं की ओर संकेत करता है, जिनका प्रभाव लड़कियों के अवसरों और भविष्य पर पड़ सकता है। इसी प्रकार, संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन और अंतर-संसदीय संघ की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, 1 जनवरी 2025 तक विश्वभर में मॉन्रिंडल स्तर के पदों पर महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 22.9 प्रतिशत थी। इससे स्पष्ट है कि शिक्षा और प्रतिभा के बावजूद निर्णय लेने वाली संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता बनी हुई है।

बाल विवाह समाप्त करने के लिए सरकार, प्रशासन, विद्यालयों, पंचायतों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों और परिवारों को साझा जिम्मेदारी निभानी होगी। प्रत्येक बालिका को साक्षरता और अंतर-संसदीय संघ की नियमित उपस्थिति और माध्यमिक शिक्षा पूरी करना भी सुनिश्चित किया जाए। बाल विवाह की आशंका वाले क्षेत्रों में स्थानीय निगरानी समितियां सक्रिय हों, शिकायत तंत्र सुलभ बने और पीड़ित लड़कियों को संरक्षण तथा पुनर्वास मिले। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को ऐसी सहायता दी जाए, जिससे बेटी की पढ़ाई आर्थिक बोझ न बने। योजनाओं के बजट, लाभार्थियों और परिणामों का सार्वजनिक मूल्यांकन हो तथा बालिकाओं को प्रभावित करने वाले निर्णयों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। सबसे बढ़कर, लड़कों और पुरुषों को भी समानता के इस अभियान का सहभागी बनाना होगा क्योंकि भेदभावपूर्ण सामाजिक मान्यताओं में बदलाव सामूहिक प्रयास से ही संभव है। किसी लड़की का भविष्य उसकी जन्मतिथि, आर्थिक स्थिति या सामाजिक रुढ़ियों से निर्धारित नहीं होना चाहिए। उसे बचपन में खेलने, शिक्षा प्राप्त करने, प्रेक्षा पकड़ने, अपनी राय रखने और अपनी राह चुनने का अधिकार है। बाल विवाह की समाप्ति केवल एक कुप्रथा का अंत नहीं बल्कि समानता, गरिमा और न्यायपूर्ण समाज की दिशा में निर्णायक कदम है। यदि हम बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और नेतृत्व में आज निवेश करेंगे तो उसका लाभ आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचेगा। (यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# चौकी में पहुंची जेसीबी, दो घंटे बाद छोड़ी गई; कार्टवाई पर उठे सवाल

जेसीबी छोड़ने के आधार पर उठे सवाल, डीसीपी बोले—जांच के बाद होगी कार्टवाई; पूर्व में अवैध पटाखों के मामले को लेकर भी उठे थे सवाल
लालगोपालगंज, प्रयागराज।

लालगोपालगंज पुलिस चौकी में एक जेसीबी को ले जाने और करीब दो घंटे बाद छोड़ दिए जाने

## शारदीय नवरात्र : पहले दिन बाबा विश्वनाथ की नगरी देवी मय,मातृशक्ति आराधना में लीन,शैलपुत्री के दरबार में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा

सूर्य की पहली उजास किरणों के लालिमा में देवी के जयकारा और घंटा घड़ियाल बजने से पूरा माहौल हुआ आध्यात्मिक

**वाराणसी।** शारदीय नवरात्र के पहले दिन रविवार से ही काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ की नगरी देवीमय हो गई है। सनातनी श्रद्धालु शक्ति आराधना में लीन हैं। नवरात्र में परम्परानुसार श्रद्धालुओं ने अलईपुर स्थित आदिशक्ति मां शैलपुत्री के दरबार में हाजिरी लगाई। माता रानी के दिव्य विग्रह का दर्शन पूजन कर लोग आह्लादित दिखे। दरबार में लोग रात तीन बजे के बाद दर्शन पूजन के लिए पहुंचने लगे। बैरिकेडिंग में लगी कतार में खड़े श्रद्धालु माता रानी के प्रति श्रद्धा का भाव दिखाते रहे। कड़ी सुरक्षा के बीच बैरिकेडिंग में कतारबद्ध



श्रद्धालु अपनी बारी का इन्तजार मां का गगनभेदी जयकारा लगाकर करते रहे। श्रद्धालु महिलाएं दरबार में संतति वृद्धि, श्री समृद्धि, अखण्ड सौभाग्य की कामना करती रही। मंदिर में आई महिला श्रद्धालुओं के

## अवैध पटाखों के मामले को लेकर भी उठे थे सवाल

इससे कुछ दिन पहले चैनी का पूरा स्थित एक मकान में भारी मात्रा में अवैध पटाखे जमा होने की सूचना मिलने का मामला भी सामने आया था। उस समय चौकी प्रभारी द्वारा पटाखे बरामद करने तथा मकान मालिक और पटाखे रखने वाले आतिशबाज को हिरासत में लिया गया था आरोप है कि दोनों को रातोंरात छोड़ दिया गया। बाद में जब मामला समाचारों की सुर्खियों में आया, तो दोनों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उन्हें वांछित दर्शाए जाने की बात सामने आई। इस घटनाक्रम को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, इस मामले में हुई

का मामला चर्चा में है। जेसीबी को चौकी ले जाने की वजह और उसे छोड़ने के आधार को लेकर सवाल उठ रहे हैं। मामले में चौकी पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

आरोप है कि रविवार को चौकी प्रभारी ने जेसीबी संचालक को चौकी बुलाकर धमकाया और कथित तौर पर पैसे लेकर जेसीबी छोड़ दी। हालांकि, इन आरोपों की

## जांच से सामने आएगी सच्चाई

लगातार सामने आ रहे इन मामलों के बीच पुलिस की कार्टवाई और उसकी पारदर्शिता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल जेसीबी प्रकरण में डीसीपी ने जांच के बाद कार्टवाई की बात कही है। अब देखना होगा कि जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं । प्रकरण संज्ञान में है जांच चल रही है जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार कार्यवाही किया जाएगा

**सोनम कुमार डीसीपी गंगानगर**

स्वतंत्र या आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले के उच्चाधिकारियों के संज्ञान में आने की बात भी सामने आई है। इस संबंध में डीसीपी गंगानगर सोनम कुमार ने बताया कि प्रकरण की जांच चल रही है। जांच पूरी होने के

## 94वें फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल में केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने की भागीदारी,सक्रिय जीवनशैली का संदेश

## नमोघाट से संपूणार्नद संस्कृत विश्वविद्यालय के दीक्षा मंडप तक साइकिल रैली

**वाराणसी।** फिटनेस, युवा सशक्तीकरण और नशामुक्त भारत का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल के 94वें संस्करण का आयोजन रविवार सुबह वाराणसी में किया गया। यह साइकिल यात्रा सुबह 6 बजे से नमो घाट से संपूणार्नद संस्कृत विश्वविद्यालय के दीक्षा मंडप तक निकाली गई। ह्रदिकसित भारत के लिए



नशामुक्त युवाह् थ्रीम पर आधारित इस पहल में केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल तथा श्रम एवं रोजगार

मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और एशियाई खेलों के पदक विजेताओं के साथ युवाओं ने भी पूरे उत्साह के साथ साइकिल चलाई। इसके पहले नमोघाट पर केन्द्रीय मंत्री ने युवा

प्रतिभागियों का स्वागत कर उनका उत्साह वर्धन किया। केन्द्रीय मंत्री ने काशी के पारम्परिक जोड़ी की अपने कंधे पर रखकर कर फिटनेस और नशामुक्त भारत का संदेश दिश। आयोजकों के अनुसार,रैली का उद्देश्य साइकिल चलाने को सक्रिय जीवनशैली अपनाने का सरल, सुलभ और पर्यावरण के अनुकूल माध्यम बनाकर प्रोत्साहित करना है।

## डिट्टी सीएम का आदेश भी बेअसर! तीन किमी सड़क को तरस रहे ग्रामीण डिप्टी सीएम ने डीएम और पीडब्ल्यूडी को दिए प्राथमिकता पर निर्माण के निर्देश

**सबसे तेज प्रयागराज**

**लालापुर ,**

**प्रयागराज।**

लालापुर क्षेत्र के ग्रामीणों को अब तक तीन कि लोमीमीटर लंबी सड़क नसीब नहीं हो सकी है। लालापुर से



शिवराजपुर तक जाने वाली मदरिया पहाड़ वाली सड़क का निर्माण नहीं होने से ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हैरानी की बात यह है कि सड़क निर्माण के लिए प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने भी अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर काम कराने का निर्देश दिया था, लेकिन इसके बावजूद अब तक निर्माण शुरू नहीं हो सका है।

**शिकायत के बाद डिप्टी सीएम ने लिया था संज्ञान**

सड़क की समस्या से परेशान स्थानीय निवासी दीपांशु तिवारी ने कुछ माह पहले उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक को प्रार्थना पत्र देकर लालापुर से शिवराजपुर तक सड़क बनवाने की मांग की थी। पत्र में बताया गया था कि सड़क के अभाव में ग्रामीणों, किसानों, विद्यार्थियों और मरीजों को आने-जाने में भारी परेशानी उठानी पड़ती है। बरसात के दिनों में रास्ते की स्थिति और खराब हो जाती है, जिससे ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ जाती हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए उप मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी प्रयागराज को निर्देश दिया था कि संबंधित मार्ग का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए। पीडब्ल्यूडी और जिलाधिकारी को संबोधित निर्देश में करीब तीन किलोमीटर लंबे लालापुर-शिवराजपुर मार्ग को जल्द बनवाने की बात कही गई थी।

**आदेश के बाद भी नहीं बदली तस्वीर**

उप मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद ग्रामीणों को उम्मीद जगी थी कि वर्षों से लंबित सड़क निर्माण का रास्ता साफ होगा। लोगों को लगा था कि अब उनकी समस्या का समाधान जल्द हो जाएगा, लेकिन ग्रामीणों के अनुसार, अब तक सड़क निर्माण की शुरुआत नहीं हुई है। इससे अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

**ग्रामीणों को आखिर कब मिलेगी राहत ?**

सड़क का निर्माण नहीं होने से क्षेत्र के लोगों को रोजमर्रा के कामकाज के लिए आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क जैसी बुनियादी सुविधा के लिए भी उन्हें लंबे समय से इंतजार करना पड़ रहा है। उनका सवाल है कि जब उप मुख्यमंत्री ने स्वयं सड़क निर्माण को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया था, तो अब तक धरातल पर काम क्यों नहीं दिखाई दे रहा है।

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए सड़क निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू कराई जाए, ताकि लोगों को आवागमन की समस्या से राहत मिल सके।

### नवरात्रि के पहले दिन देवी मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

**लखनऊ।**

उत्तर प्रदेश में शारदीय नवरात्रि के पहले दिन मां विंध्यवासिनी धाम से लेकर शाकुंभरी देवी मंदिर तक श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। तड़के सुबह से ही देवी मंदिरों में मां के जयकारों की गुंज के साथ माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो चुका है। विंंध्याचल स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां विंध्यवासिनी मंदिर में अब तक 1 लाख से अधिक श्रद्धालु शंशा नवाकर दर्शन-पूजन कर चुके हैं। भोर की मंगला आरती के बाद से ही मंदिर परिसर और आसपास की गलियां भक्तों की लंबी कतारों से पट गईं।

## लिव-इन का खौफनाक अंत: नाक से खून, पैरों की हड्डियां टूटी; चोटों के निशान, कारोबारी की लाश छोड़ भाग गई प्रेमिका

**लखनऊ**

लखनऊ में प्रेमिका के फ्लैट से गिरकर कारोबारी की मौत हो गई। वह अलीगंज में चिकन का कारोबार करता था। मॉडल युवती के साथ लिव-इन में रह रहा था। शव पर चोटों के निशान मिले हैं। मामले में चार पर हत्या की एफआईआर दर्ज की गई है। राजधानी लखनऊ में हजरतगंज क्षेत्र के बालू अड्डा के पास अवध ग्रीन अपार्टमेंट के चौथे तल पर स्थित प्रेमिका के फ्लैट से रहस्यमय हालात में गिरने से चिकन कारोबारी शिवा शर्मा (28) की मौत हो गई। अलीगंज सेक्टर-एफ निवासी शिवा की मां रंजना शर्मा ने



मॉडलिंग का काम करने वाली बेटे की प्रेमिका श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि, साथी आदिल और चालक तारिक उर्फ दानिश के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई है।

रंजना का कहना है कि श्रद्धा और शिवा चार महीने से लिव-इन में रह रहे थे। आरोप लगाया कि शिवा के मना करने पर भी श्रद्धा उसे जबरन साथ में रखती थी। अलग होने की

बात कहने पर श्रद्धा उनके बेटे को झूठे आरोप में बदनाम कर जेल भिजवाने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रही थी।

विज्ञापन

श्रद्धा और आदिल ने मां को क्रिया फोन रंजना ने बताया कि शिवा सात अक्तूबर को घर से निकला था। नौ अक्तूबर की शाम 7.00 बजे श्रद्धा और आदिल का फोन आया कि शिवा का एक्सीडेंट हो गया है और उसे अस्पताल लेकर जा रहे हैं। थोड़ी देर बाद तारिक से पता चला कि शिवा को केजीएमयू ले जाया जा रहा है।

## बुलंदशहर: बेला भवानी मंदिर जा रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली को ट्रक ने मारी टक्कर



सीएचसी डिबाई में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घायलों में चार की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस ने बताया कि शनिवार की रात में थाना अहमदगढ़ क्षेत्र के प्यारली निवासी श्रद्धालु ट्रैक्टर ट्राली में सवार होकर बेलोन स्थित सर्व मंगला बेला भवानी मंदिर में दर्शनों के लिए जा रहे

थे। रात करीब 10.30 बजे डिबाई, नरोरा मार्ग पर बेलोन से कुछ ही पहले सामने से आ रहे ट्रक ने ट्राली में टक्कर मार दी। जिससे ट्राली में सवार सभी श्रद्धालु घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई और अफरा तफरी का माहौल हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने राहगीरों व आसपास के लोगों की मदद से सभी घायलों को उपचार के लिए सीएचसी डिबाई में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को अलीगढ़ मेडिकल सेंटर रेफर कर दिया गया। बताया कि सड़क से हटवाया जिसके बाद करीब 12:30 बजे यातायात

है। बताया गया कि ट्रक में एलपीजी के खाली सिलेंडर भरे हुए थे।

**दो घंटे डिबाई, नरोरा मार्ग पर लगा रहा जाम**

हादसे के बाद ट्रैक्टर ट्राली ,ट्रक के डिबाई ,नरोरा मार्ग पर खड़े होने से यातायात बाधित हो गया। करीब दो घंटे तक डिबाई, नरोरा मार्ग पर जाम लगा रहा। जाम से निपटने के लिए पुलिस ने डिबाई से नरोरा की ओर जाने वाले और नरोरा से डिबाई की ओर आने वाले वाहनों को रामघाट के रास्ते से निकला गया।पुलिस ने क्रैन की मदद से ट्रैक्टर ट्राली वह ट्रक को सड़क से हटवाया जिसके बाद करीब 12:30 बजे यातायात

सुचारु हुआ।

राम बारात के चलते रोगियों को अस्पताल में पहुंचने में लगा समय शनिवार की रात में कस्बा डिबाई में राम बारात निकाली जा रही थी।

मार्ग की एक और राम बारात चल रही थी। दूसरी और आने,जाने वाहन चल रहे थे। डिवाइडर पर लोग खड़े होकर राम बारात देख रहे थे। वहीं सड़क किनारे चाट आदि की ठेलिया लगी हुई थी। जिसे डिबाई में जाम की स्थिति बनी हुई थी। हादसे के बाद घायलों को डिबाई लेकर जा रही एंबुलेंस को जम के कारण पहुंचने में समय लगा।

# नवरात्रि के प्रथम दिन उट योगी ने शक्तिपीठ देवीपाटन में की पूजा-अर्चना, गौसेवा कर प्रदेश की समृद्धि की कामना की

**बलरामपुर:** चैत्र नवरात्रि के पावन त्योहार के प्रथम दिन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय दौरे पर बलरामपुर पहुंचे। यहाँ उन्होंने प्रसिद्ध 51 शक्तिपीठों में से एक, तुलसीपुर स्थित मां पाटेश्वरी देवीपाटन मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने माँ भगवती के प्रथम स्वस्व रूप 'मां शैलपुत्री' की आराधना करते हुए उत्तर प्रदेश की जनता के कल्याण, सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

**वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ पूजन** मंदिर के प्रधान पुजारी और वैदिक विद्वानों की देखरेख में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माँ पाटेश्वरी का भव्य श्रृंगार पूजन किया। इस दौरान पूरे मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार गुंजता रहा। सीएम योगी ने माँ को चुनरी, फल और मिष्ठान



अर्पित कर लोक-कल्याण की प्रार्थना की। बता दें कि गोरक्षपीठ और देवीपाटन शक्तिपीठ का संबंध सदियों पुराना है और मुख्यमंत्री हर नवरात्रि के अवसर पर यहाँ आकर शीश नवाना नहीं भूलते हैं।

**गौशाला में की आत्मीय गौसेवा**

मुख्य मंदिर में दर्शन-पूजन करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सीधे मंदिर परिसर में स्थित गौशाला पहुंचे। अपनी पहचान के अनुरूप, मुख्यमंत्री ने यहाँ गहरा जुड़ाव दिखाते हुए गावों और बछड़ों को अपने हाथों से हरा चारा, गुड़ और रोटी

खिलाई। उन्होंने गौशाला के सेवादारों से बातचीत की और गावों के स्वास्थ्य व उनके रखरखाव की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि भौषण गर्मी के मौसम को देखते हुए सभी गौशालाओं में चारे और साफ पानी

## शारदीय नवरात्र : पहले दिन बाबा विश्वनाथ की नगरी देवी मय,मातृशक्ति आराधना में लीन,शैलपुत्री के दरबार में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा

सूर्य की पहली उजास किरणों के लालिमा में देवी के जयकारा और घंटा घड़ियाल बजने से पूरा माहौल हुआ आध्यात्मिक

**वाराणसी।** शारदीय नवरात्र के पहले दिन रविवार से ही काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ की नगरी देवीमय हो गई है। सनातनी श्रद्धालु शक्ति आराधना में लीन हैं। नवरात्र में परम्परानुसार श्रद्धालुओं ने अलईपुर स्थित आदिशक्ति मां शैलपुत्री के दरबार में हाजिरी लगाई। माता रानी के दिव्य विग्रह का दर्शन पूजन कर लोग आह्लादित दिखे। दरबार में लोग रात तीन बजे के बाद दर्शन पूजन के लिए पहुंचने लगे। बैरिकेडिंग में लगी कतार में खड़े श्रद्धालु माता रानी के प्रति श्रद्धा का भाव दिखाते रहे। कड़ी सुरक्षा के बीच बैरिकेडिंग में कतारबद्ध



श्रद्धालु अपनी बारी का इन्तजार मां का गगनभेदी जयकारा लगाकर करते रहे। श्रद्धालु महिलाएं दरबार में संतति वृद्धि, श्री समृद्धि, अखण्ड सौभाग्य की कामना करती रही। मंदिर में आई महिला श्रद्धालुओं के

दौरान मंदिर परिसर और आसपास सुरक्षा का व्यापक प्रबंध किया गया था। क्षेत्रीय थाना प्रभारी के साथ एडीसीपी काशी जोन वैभव बांगर सुरक्षा व्यवस्था को परखने के साथ मंदिर क्षेत्र में मुस्तैद रहे। गौरतलब हो कि शारदीय नवरात्र के पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री के दर्शन की मान्यता है। पर्वतराज हिमालय के यहां पुत्री रूप में उत्पन्न होने के कारण इनका नाम शैलपुत्री पड़ा था। पर्वतराज हिमालय शक्ति-दृढ़ता-आधार व स्थिरता का प्रतीक हैं। मां शैलपुत्री को अखंड सौभाग्य का प्रतीक भी माना जाता है।

### नवरात्रि के पहले दिन देवी मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में शारदीय नवरात्रि के पहले दिन मां विंध्यवासिनी धाम से लेकर शाकुन्भरी देवी मंदिर तक श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। तड़के सुबह से ही देवी मंदिरों में मां के जयकारों की गुंज के साथ माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो चुका है। विंध्याचल स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां विंध्यवासिनी मंदिर में अब तक 1 लाख से अधिक श्रद्धालु शीश नवाकर दर्शन-पूजन कर चुके हैं। भोर की मंगला आरती के बाद से ही मंदिर परिसर और आसपास की गलियां भक्तों की लंबी कतारों से पट गईं।

### नवरात्र के आगमन के साथ ही प्रदेश से विदा हुई बारिश, 14 अक्तूबर को फिर से सक्रिय होगा एक नया विश्कोभ

**लखनऊ** मानसून के बाद करीब दो सप्ताह तक प्रदेश में कोई न कोई विश्कोभ सक्रिय रहा है। अब मौसम में ठहराव आने जा रहा है। ज्यादातर जिलों में अब चटख धूप दिखेगी। मानसून की विदाई के बाद भी हो रही बारिश पर फौरी तौर पर विराम लगात दिख रहा है। प्रदेश में बादलों की आवाजाही के बीच धूप निकलने से मौसम में राहत है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं हल्की बूंदबांदी हो सकती है। इसके बाद पूर्वी और मध्य यूपी में अगले पांच दिन मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। क्षेत्रीय मौसम विभाग केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह

## लिव-इन का खौफनाक अंत: नाक से खून, पैरों की हड्डियां टूटी; चोटों के निशान, कारोबारी की लाश छोड़ भाग गई प्रेमिका

**लखनऊ** लखनऊ में प्रेमिका के फ्लैट से गिरकर कारोबारी की मौत हो गई। वह अलीगंज में चिकन का कारोबार करता था। मॉडल युवती के साथ लिव-इन में रह रहा था। शव पर चोटों के निशान मिले हैं। मामले में चार पर हत्या की एफआईआर दर्ज की गई है। राजधानी लखनऊ में हजरतगंज क्षेत्र के बालू अड्डा के पास अवध ग्रीन अपार्टमेंट के चौथे तल पर स्थित प्रेमिका के फ्लैट से रहस्यमय हालात में गिरने से चिकन कारोबारी शिवा शर्मा (28) की मौत हो गई। अलीगंज सेक्टर-एफ निवासी शिवा की मां रंजना शर्मा ने



मॉडलिंग का काम करने वाली बेटे की प्रेमिका श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि, साथी आदिल और चालक तारिक उर्फ दानिश के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई है।

रंजना का कहना है कि श्रद्धा और शिवा चार महीने से लिव-इन में रह रहे थे। आरोप लगाया कि शिवा के मना करने पर भी श्रद्धा उसे जबरन साथ में रखती थी। अलग होने की



सीएचसी डिबाई में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घायलों में चार की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस ने बताया कि शनिवार की रात में थाना अहमदगढ़ क्षेत्र के प्यारली निवासी श्रद्धालु ट्रैक्टर दाली में सवार होकर बेलोन स्थित सर्व मंगला बेला भवानी मंदिर में दर्शनों के लिए जा रहे

## नई दिल्ली रूट पर ट्रेनें निरस्त: एक दिन में 14 हजार टिकट रद्द, रेलवे ने 24 घंटे में लौटाए सवा करोड़ रुपये

**प्रयागराज।** उत्तर मध्य रेलवे के सबसे व्यस्त नई दिल्ली रूट पर ट्रेनों का संचालन चरमराने से यात्रियों का सफर पूरी तरह बेपटरी हो गया है। एक तरफ जहां अचानक ट्रेनें निरस्त होने से यात्रियों को भारी फजीहत झेलनी पड़ रही है, वहीं दूसरी ओर रेलवे के खजाने पर भी तगड़ा आर्थिक बोझ पड़ा है।

प्रयागराज मंडल के आरक्षण केंद्रों से महज 24 घंटे के भीतर 14 हजार से अधिक यात्रियों को 1.17 करोड़ रुपये से ज्यादा का नकद रिफंड लौटाना पड़ा। उधर, रैक उपलब्ध न होने के कारण प्रयागराज और हमसफर एक्सप्रेस रविवार सुबह दिल्ली से प्रयागराज नहीं पहुंचेंगी, जिससे आने वाले यात्रियों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि शुक्रवार को ट्रेन प्रयागराज से दिल्ली गई ही नहीं। वहीं, शनिवार को नई दिल्ली से हावड़ा जाने वाली राजधानी एक्सप्रेस भी दिल्ली में ही निरस्त कर दी गई, जिससे दिल्ली से पूर्वांचल और



बंगाल की ओर जाने वाले यात्री बीच रास्ते में फंस गए। **यह वीडियो भी देखें** शुक्रवार को ट्रेनें रद्द होने से फंसे हजारों यात्री शनिवार को एक साथ प्रयागराज जंक्शन पहुंच गए। शाम ढलते ही दिल्ली जाने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस के जनरल डिब्बों में चढ़ने के लिए आरपीएफ ने कतार लगवाई और जनरल कोच में एक-एक चाची को चढ़ाया गया। स्लीपर और एसी बोगियों में भी वेटिंग टिकट वाले यात्रियों की भरमार रही। यही स्थिति रीवा एक्सप्रेस और हमसफर में भी देखने को मिली। हालांकि

सामान्य दिनों की तुलना में भीड़ इतनी नहीं रही कि दरवाजे तक लटक कर लोगों को यात्रा करनी पड़े, सभी को अंदर सीटें मिल गईं। **प्रयागराज और कानपुर में सबसे ज्यादा टिकट वापसी** शुक्रवार को प्रयागराज एक्सप्रेस, हमसफर एक्सप्रेस, कानपुर शताब्दी, श्रमशक्ति और शकूरबस्ती स्पेशल जैसी महत्वपूर्ण ट्रेनों का परिचालन अचानक रोक दिया गया था। यात्रा के ऐन वक्त पर गाड़ी रद्द होने की सूचना मिलते ही स्टेशनों पर टिकट वापसी के लिए यात्रियों की लंबी कतारें लग गईं।

## 94वें फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल में केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने की भागीदारी,सक्रिय जीवनशैली का संदेश

### नमोघाट से संपूर्णार्नद संस्कृत विश्वविद्यालय के दीक्षा मंडप तक साइकिल रैली

**वाराणसी।** फिटनेस, युवा सशक्तीकरण और नशामुक्त भारत का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल के 94वें संस्करण का आयोजन रविवार सुबह वाराणसी में किया गया। यह साइकिल यात्रा सुबह 6 बजे से नमो घाट से संपूर्णार्नद संस्कृत विश्वविद्यालय के दीक्षा मंडप तक निकाली गई। ह्र्विकसित भारत के लिए



नशामुक्त युवाह्व थीम पर आधारित इस पहल में केन्द्रीय युवा कार्यक्रम और खेल तथा भ्रम एवं रोजगार

मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और एशियाई खेलों के पदक विजेताओं के साथ युवाओं ने भी पूरे

उत्साह के साथ साइकिल चलाया। इसके पहले नमोघाट पर केन्द्रीय मंत्री ने युवा

प्रतिभागियों का स्वागत कर उनका उत्साह वर्धन किया। केन्द्रीय मंत्री ने काशी के पारम्परिक जोड़ी को अपने कंधे पर रखकर कर फिटनेस और नशामुक्त भारत का संदेश दिश।

आयोजकों के अनुसार,रैली का उद्देश्य साइकिल चलाने को सक्रिय जीवनशैली अपनाने का संदेश, सुलभ और पर्यावरण के अनुकूल माध्यम बनाकर प्रोत्साहित करना है।

## यूपी से अब चक्रवाती बारिश होगी विदा आज से निकलेगी चटख धूप

- 15 अक्तूबर के करीब इन जिलों में हो सकती है बरसात**
- 19 डिग्री पारे के साथ यह जिला रहा सबसे ठंडा**



ने बताया कि पश्चिमी यूपी में रविवार के बाद अगले तीन दिन बारिश की गतिविधियां थम सकती हैं। हालांकि,

नए विश्कोभ के सक्रिय होने से 14 से 16 अक्तूबर के बीच पश्चिमी यूपी में फिर बूंदबांदी की संभावना है।

इस बीच शनिवार सुबह पश्चिमी और पूर्वी तराई के कुछ जिलों में बादल छाए रहे, लेकिन दोपहर तक ज्यादातर

जगह धूप निकल आई। 28 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ मुरादाबाद प्रदेश में सबसे ठंडा दिन रहा। वहीं, हरदोई में न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा।राजधानी में अगले कुछ दिन मौसम में खास बदलाव के आसार नहीं हैं। बादलों की सक्रियता कम होने के साथ मौसम स्थिर रहेगा। मौसम विभाग का कहना है कि राजधानी समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले पांच दिन मौसम शुष्क रहने की संभावना है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक लखनऊ में फिलहाल बारिश की गतिविधियों में कमी आने के संकेत हैं।

### वाराणसी एयर शो के दौरान शहर में सिर्फ UP 65 नंबर की गाड़ियों को ही मिलेगी एंट्री



**वाराणसी।**

गंगा किनारे प्रस्तावित एयर शो के चलते शहर में वाहनों का दबाव बढ़ने को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने छोटे-बड़े सभी वाहनों को चार दिन तक शहरी सीमा से बाहर रखने का निर्णय लिया है।

शहर में सिर्फ यूपी-65 नंबर के वाहनों की एंट्री मिलेगी। जिले में तीन स्तर पर वाहनों को रोकने की व्यवस्था बनाई गई है। 21 अक्टूबर की रात 12 से 25 अक्टूबर की रात तक 12 बजे तक आदेश प्रभावी रहेगा।

## बुलंदशहर: बेला भवानी मंदिर जा रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली को ट्रक ने मारी टक्कर

**बुलंदशहर** बेलोन में सर्व मंगला बेला भवानी मंदिर में दर्शनों के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की ट्रैक्टर ट्राली की शनिवार की रात में डिबाई नरोरा मार्ग पर ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में ट्रैक्टर ट्राली में सवार 29 श्रद्धालु घायल हो गए। बेलोन में सर्व मंगला बेला भवानी मंदिर में दर्शनों के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की ट्रैक्टर ट्राली की शनिवार की रात में डिबाई नरोरा मार्ग पर ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में ट्रैक्टर ट्राली में सवार 29 श्रद्धालु घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों, राहगीरों की मदद से सभी घायलों को उपचार के लिए

सीएचसी डिबाई में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घायलों में चार की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस ने बताया कि शनिवार की रात में थाना अहमदगढ़ क्षेत्र के प्यारली निवासी श्रद्धालु ट्रैक्टर दाली में सवार होकर बेलोन स्थित सर्व मंगला बेला भवानी मंदिर में दर्शनों के लिए जा रहे

थे। रात करीब 10.30 बजे डिबाई, नरोरा मार्ग पर बेलोन से कुछ ही पहले सामने से आ रहे ट्रक ने ट्राली में टक्कर मार दी। जिससे ट्राली में सवार सभी श्रद्धालु घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई और अफरा तफरी का माहौल हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने राहगीरों व आसपास के लोगों की मदद से सभी घायलों को उपचार के लिए सीएचसी डिबाई में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को अलीगढ़ मेडिकल सेंटर रेफर कर दिया गया। बताया कि हादसे से हटवाया जिसके बाद करीब 12:30 बजे यातायात

है। बताया गया कि ट्रक में एलपीजी के खाली सिलेंडर भरे हुए थे। **दो घंटे डिबाई, नरोरा मार्ग पर लगा रहा जाम** हादसे के बाद ट्रैक्टर ट्राली ,ट्रक के डिबाई ,नरोरा मार्ग पर खड़े होने से यातायात बाधित हो गया। करीब दो घंटे तक डिबाई, नरोरा मार्ग पर जाम लगा रहा। जाम से निपटने के लिए पुलिस ने डिबाई से नरोरा की ओर जाने वाले और नरोरा से डिबाई की ओर आने वाले वाहनों को रामघाट के रास्ते से निकला गया।पुलिस ने क्रेन की मदद से ट्रैक्टर ट्राली वह ट्रक को सड़क से हटवाया जिसके बाद करीब 12:30 बजे यातायात

सुचारु हुआ। राम बारात के चलते रोगियों को अस्पताल में पहुंचने में लगा समय शनिवार की रात में कस्बा डिबाई में राम बारात निकाली जा रही थी। मार्ग की एक और राम बारात चाल रही थी। दूसरी और आने,जाने वाहन चल रहे थे। डिवाइडर पर लोग खड़े होकर राम बारात देख रहे थे। वहीं सड़क किनारे चाट आदि की ठेलिया लगी हुई थी। जिसे डिबाई में जाम की स्थिति बनी हुई थी। हादसे के बाद घायलों को डिबाई लेकर जा रही एंबुलेंस को जम के कारण पहुंचने में समय लगा।

# ईगल स्पेशली एबल्ड राइडर्स का बुलंद होसला

गाजियाबाद की सड़कों पर दिव्यांग राइडर्स ने दिया आत्मनिर्भरता का संदेश

गाजियाबाद। हम भी सक्षम हैं, हमें भी अवसर दीजिए—हम अपनी मंजिल खुद तय कर सकते हैं दिव्यांगता किसी व्यक्ति की क्षमता, प्रतिभा और होसले को सीमित नहीं कर सकती। यदि सही अवसर, आधुनिक तकनीक, सहयोग और सम्मान मिले, तो दिव्यांगजन भी हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। इसी प्रेरणादायक संदेश को समाज तक पहुँचाने के उद्देश्य से ईगल स्पेशली एबल्ड राइडर्स Eagle Specially Abled Riders की ओर से 10 अक्टूबर 2026 को गाजियाबाद में एक विशेष जागरूकता राइड का आयोजन किया गया। इस राइड में बाइक और स्कूटर में विशेष अटैचमेंट लगाकर चलने वाले दिव्यांग राइडर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी राइडर्स ने एकजुट होकर शहर में राइड की और समाज को यह संदेश दिया कि दिव्यांगजन भी आत्मविश्वास, साहस और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ सकते हैं। यह आयोजन केवल एक राइड नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों के आत्मसम्मान, समान अधिकारों और समाज में सम्मानजनक भागीदारी का प्रतीक



बना दिव्यांग राइडर्स ने दिखाया अपना दम गाजियाबाद में आयोजित इस जागरूकता राइड के दौरान विशेष रूप से तैयार किए गए बाइक और स्कूटर पर सवार दिव्यांग राइडर्स का उत्साह और आत्मविश्वास प्रेरणादायक रहा। उन्होंने यह साबित किया कि शारीरिक चुनौतियों के बावजूद

सही तकनीक, इच्छाशक्ति और अवसरों के माध्यम से जीवन में आगे बढ़ा जा सकता है। इन राइडर्स का उद्देश्य केवल सड़कों पर राइड करना नहीं था, बल्कि समाज की सोच में सकारात्मक बदलाव लाना भी था। उनका संदेश था कि दिव्यांगजनों को कमजोर समझने के बजाय उनकी क्षमताओं को पहचानना

चाहिए दिव्यांगजनों को दया नहीं, सम्मान और समान अवसर चाहिए।आज भी अनेक दिव्यांगजनों को रोजगार, शिक्षा, आवागमन और सामाजिक भागीदारी के क्षेत्र में विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। कई बार समाज उनकी शारीरिक अक्षमता को देखकर उनकी वास्तविक प्रतिभा और क्षमता का आकलन नहीं कर पाता। ऐसे में ईगल स्पेशली एबल्ड राइडर्स की यह पहल समाज को एक नई सोच अपनाने का संदेश देती है दिव्यांगजन भी देश के जिम्मेदार नागरिक हैं। उन्हें भी अपनी प्रतिभा दिखाने, आत्मनिर्भर बनने और राष्ट्र के विकास में योगदान देने के समान अवसर मिलने चाहिए दिव्यांगजनों को केवल सहानुभूति की नहीं, बल्कि सम्मान, समान अधिकार, रोजगार और आगे बढ़ने के अवसरों की आवश्यकता है।

समाज और प्रशासन से विशेष अपील दिव्यांग राइडर्स की इस पहल के माध्यम से समाज और प्रशासन से अपील की जाती है कि दिव्यांगजनों के लिए सुगम यातायात, सुरक्षित सड़कों, आधुनिक सहायक उपकरणों, रोजगार और अन्य आवश्यक सुविधाओं को बढ़ावा

दिया जाए।साथ ही, आम नागरिकों को भी दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील और सहयोगात्मक व्यवहार अपनाना चाहिए, ताकि वे बिना किसी भेदभाव के सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। यदि दिव्यांगजनों को उचित अवसर और सहयोग मिले, तो वे न केवल अपना जीवन बेहतर बना सकते हैं, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा भी बन सकते हैं हमारा संकल्प—हम भी सक्षम हैं!इस जागरूकता राइड का सबसे महत्वपूर्ण संदेश है कि दिव्यांगता जीवन का अंत नहीं, बल्कि चुनौतियों के बीच आगे बढ़ने का एक अवसर है।हम दिव्यांग जरूर हैं, लेकिन हमारी इच्छाशक्ति दिव्यांग नहीं है। हमारे सपने भी हैं, हमारी मंजिल भी है और उसे हसिल करने का होसला भी है। हमें दया नहीं, सम्मान चाहिए; उपेक्षा नहीं, अवसर चाहिए; और भेदभाव नहीं, समान अधिकार चाहिए। ईगल स्पेशली एबल्ड राइडर्स की यह पहल दिव्यांगजनों के आत्मविश्वास को मजबूत करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है।आइए, हम सब मिलकर ऐसा समाज बनाएँ, जहाँ दिव्यांगजनों को उनकी शारीरिक

परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा, मेहनत, उपलब्धियों और होसले से पहचाना जाए।ईगल स्पेशली एबल्ड राइडर्स का संदेश रास्ते कठिन हो सकते हैं, लेकिन होसले बुलंद हों तो मंजिल दूर नहीं। हम भी सक्षम हैं, हम भी आगे बढ़ेंगे और देश के विकास में अपनी भागीदारी निभाएँगे दिव्यांग अधिकारों के समर्थक लेखक का संदेश:मेरे सभी दिव्यांग भाई-बहनों से अपील है कि अपने होसले को कभी कमजोर न होने दें। अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें और जीवन में आगे बढ़ते रहें। शारीरिक चुनौतियाँ हमारी राह को कठिन बना सकती हैं, लेकिन हमारे सपनों और संकल्प को समाप्त नहीं कर सकतीं।

समाज से भी मेरी अपील है कि दिव्यांगजनों को दया की दृष्टि से नहीं, बल्कि समान अधिकारों वाले सक्षम नागरिकों के रूप में देखें। उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दें, समाज में सम्मान करें और उनकी प्रतिभा को पहचानें। क्योंकि हम भी इसी समाज का हिस्सा हैं। हमारे सपने भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं और सम्मान के साथ जीने का अधिकार भी उतना ही है।

## शालीमार गार्डन में गांजे की खेप के साथ आरोपी गिरफ्तार, 1.121 किलो गांजा बरामद



जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर सकती है। **एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज** पुलिस ने बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ थांना शालीमार गार्डन में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत अभियोग पंजीकृत किया है। आरोपी के आपराधिक इतिहास के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस के अनुसार, फिलहाल उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का एक मामला दर्ज होने की जानकारी सामने आई है, जबकि अन्य आपराधिक रिकॉर्ड की जांच की जा रही है।

नशे के कारोबार पर कार्रवाई क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की चेकिंग और कार्रवाई को अहम माना जा रहा है। हालाँकि, नशे की आपूर्ति के पूरे नेटवर्क और आरोपी के संपर्कों को लैपट्रॉक जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस की इस कार्रवाई में एक आरोपी की गिरफ्तारी के साथ गांजे की खेप और नकदी बरामद हुई है। मामले में आगे की कार्रवाई विवेचना के आधार पर की जाएगी।

## यूपी कांग्रेस में पदभार ग्रहण समारोह के दौरान बवाल, समर्थकों में भिड़ंत



होने के बाद ही अजय राय कार्यालय के भीतर लौटेंगे। मामले ने उस समय तूल पकड़ लिया, जब पदभार ग्रहण समारोह में मौजूद दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच नारेबाजी को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ा और कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। इस दौरान गाली-गलौज, धक्का-मुक्की और जूते-चप्पल चलने के साथ भी अभद्रता किए जाने का आरोप लगाया है। हालाँकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

विवाद के बाद पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने अपने साथ बदसलूकी किए जाने का आरोप लगाया। स्थिति बिगड़ती देख राज्यसभा संसद प्रमोद तिवारी और कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद ने हस्तक्षेप किया। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना भी अजय राय को मनाने के प्रयास में जुटीं। बताया जा रहा है कि प्रमोद तिवारी के आशवासन के बाद अजय राय दोबारा प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पहुंचे। वरिष्ठ नेताओं के हस्तक्षेप के बाद स्थिति को संभालने की कोशिश की गई।

हालाँकि, समारोह के दौरान हुए इस घटनाक्रम ने पार्टी के भीतर आपसी मतभेदों को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुए विवाद को लेकर राजनीतिक हलकों में भी चर्चा शुरू हो गई है। फिलहाल, पूरे घटनाक्रम में दोनों पक्षों के आरोपों और विवाद की परिस्थितियों को लेकर आधिकारिक तौर पर विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।

### उपद्रव प्रदेश से उत्सव प्रदेश बना यूपी, नारी शक्ति बनी विकास की धुरी: मुख्यमंत्री योगी

**लखनऊ।** शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के क्षेत्र में आए बदलाव को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति के स्वास्थ्य से लेकर बेटियों के उज्ज्वल भविष्य तक डबल इंजन सरकार की कल्याणकारी योजनाएं नारी सशक्तीकरण को नित्य नई मजबूती प्रदान कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश को उपद्रव प्रदेश से उत्सव प्रदेश बनाने के साथ ही नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को नई दिशा प्रदान की है। वर्ष 2017 से पहले जिन बेटियों के लिए घर की चौखट पार करना भी चुनौती थी, आज वही बेटियां नाइट शिफ्ट में काम करते हुए प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान कर रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के 50 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप्स का नेतृत्व आज नारी शक्ति कर रही है। वहीं, महिला कार्यबल भागीदारी दर 12 प्रतिशत से बढ़कर 36 प्रतिशत से अधिक हो गई है। वह महिलाओं के बढ़ते विधवास और उनके लिए उपलब्ध अवसरों के विस्तार का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति के स्वास्थ्य से लेकर बेटियों के उज्ज्वल भविष्य तक डबल इंजन सरकार की कल्याणकारी योजनाएं नारी सशक्तीकरण को निरंतर मजबूती प्रदान कर रही हैं। 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना' और 'पोषण अभियान' से माताओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य और पोषण को संबल मिला है।

### बुलंदशहर में भूरा गैंग का एनकाउंटर : सरगना समेत पांच पशु चोर गिरफ्तार, दो बदमाश घायल

**बुलंदशहर।** उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के गुलावटी में पुलिस और स्वाट टीम की पशु तस्करों के साथ मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस की गोली लगने से गैंग सरगना शहजाद और शाहरुख घायल हो गए। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे, तीन चाकू, कारतूस, एक वाहन, चोरी की दो भैंस और 95 हजार रुपये की नकदी बरामद की है।



सीओ प्रखर पांडे के मुताबिक, शनिवार देर रात एक बजे गुलावटी पुलिस और स्वाट टीम जिरावटी क्षेत्र के पास हाईवे पर चेकिंग कर रही थीं। इसी दौरान एक सदिग्ध वाहन आता दिखाई दिया। पुलिस ने वाहन को रुकने का इशारा किया लेकिन चालक ने वाहन रोकने के बजाय उसकी रफ्तार बढ़ा दी। इसके बाद पुलिस टीम ने सदिग्धों का पीछा किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गैंग के सरगना शहजाद उर्फ भूरा, उसके मुख्य सहयोगी शाहरुख भेवाती समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई के दौरान घिरे दो आरोपियों के पैर में गोली लगी। इसके बाद पुलिस ने घायल आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके तीन अन्य साथियों को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से पशु चोरी में इस्तेमाल होने वाले सामान और चोरी की गई भैंसें भी बरामद की हैं।

## खोड़ा में प्रेम प्रसंग बना खूनी साजिश की वजह

**गाजियाबाद।** खोड़ा थाना क्षेत्र के वंदना विहार में युवक अंशुल की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 12 घंटे के भीतर घटना का खुलासा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में मृतक की पत्नी निशा और उसका प्रेमी पप्पू उर्फ गंगा भगत शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों के बीच प्रेम संबंध थे और अंशुल इस रिश्ते का विरोध कर रहा था। इसी विवाद के चलते उसे रास्ते से हटाने की साजिश रची गई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल एक अवैध देशी तमंचा .315 बोर और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। 11 अक्टूबर 2026 को अंशुल की ओर से खोड़ा थाने में दी गई शिकायत के आधार पर हत्या का मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया कि अंशुल

भाई की हत्या के आरोप में जीजा-साली गिरफ्तार

डर से मामले को आपसी समझौते के जरिए शांत करा दिया गया। **रिश्ते का विरोध बना हत्या की वजह** जांच में सामने आया कि अंशुल अपनी पत्नी निशा और पप्पू उर्फ गंगा भगत के संबंधों का विरोध कर रहा था। दोनों कथित तौर पर अंशुल को रास्ते से हटाकर शादी करना चाहते थे। पुलिस के मुताबिक, इसी योजना के तहत वारदात को अंजाम दिया गया। घटना के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम गठित की गई और आरोपियों की तलाश शुरू की गई। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर खोड़ा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार पप्पू उर्फ गंगा भगत की निशादेही पर हत्या में प्रयुक्त अवैध देशी तमंचा .315 बोर और एक खोखा कारतूस बरामद किया गया। बरामदगी के

आधार पर दर्ज मुकदमे में आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 की बढोतरी की गई है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

**करीब दो महीने से किराये के कमरे में रह रहा था आरोपी** पूछताछ में पप्पू उर्फ गंगा भगत ने बताया कि वह करीब दो महीने से खोड़ा के वंदना विहार में किराये के कमरे में रह रहा था। उसने पुलिस को बताया कि उसकी पहली पत्नी की मृत्यु हो चुकी है, जबकि दूसरी पत्नी गांव में रहती है। पूछताछ में उसने निशा के साथ करीब दो साल से प्रेम संबंध होने की बात भी कही। उसके मुताबिक, इस संबंध की जानकारी अंशुल को हो गई थी, जिसके बाद परिवार में विवाद भी हुआ था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि अंशुल और निशा को रास्ते से हटाकर शादी करने की योजना बनाई गई थी। इसके लिए वह अपने गांव से तमंचा और

कारतूस लेकर आया था। आरोपी के कथन के मुताबिक, तमंचा कमरे में छिपाकर रखा गया था। उसने बताया कि 10 अक्टूबर 2026 को अंशुल घर पर अकेला था और निशा काम पर नहीं गई थी। इसी दौरान मौका पाकर उसने अंशुल को गोली मार दी। आरोपी ने यह भी बताया कि घटना से जुड़ी जानकारी उसने फोन पर निशा को दी थी। **दोनों आरोपी पुलिस की गिरफ्त में** गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पप्पू उर्फ गंगा भगत, उम्र करीब 35 वर्ष, निवासी ग्राम ओलारपुर, थाना मैंगलागंज, जनपद खमीर, तथा निशा, उम्र करीब 30 वर्ष, पत्नी अंशुल, निवासी वंदना विहार, थाना खोड़ा, गाजियाबाद के रूप में की है। पुलिस के मुताबिक, हत्या के संबंध में खोड़ा थाने में मुकदमा संख्या 411/26 दर्ज है। मामले में बरामद अवैध हथियार के आधार पर आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 भी जोड़ी गई है।

### पंचम दुर्गापूजनोत्सव के शुभारंभ पर कलश स्थापना एवं कलश यात्रा का भव्य आयोजन



**गाजियाबाद।** माँ दुर्गा के पावन शारदीय नवरात्र के शुभ अवसर पर संकल्पसिद्धि फाउंडेशन द्वारा राज नगर एक्सटेंशन स्थित छठ घाट दुर्गापूजा स्थल पर पंचम दुर्गापूजनोत्सव के अंतर्गत कलश स्थापना एवं कलश यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मातृशक्ति एवं महिलाओं ने सेकड़ों की संख्या में सहभागिता की और माँ भगवती का मंगलमय स्वागत किया।कार्यक्रम का उद्देश्य धार्मिक आस्था को सामाजिक एकता, नारी सम्मान और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ना है। कलश यात्रा के माध्यम से महिलाओं ने भक्ति, शक्ति और संस्कारों का संदेश दिया। माँ दुर्गा की आराधना के साथ समाज में सकारात्मकता, सद्भाव और सेवा भावना को प्रोत्साहित करने का संकल्प भी लिया गया। फाउंडेशन की ओर से महिलाओं से पोले एवं लाल रंग के पारंपरिक परिधानों में सम्मिलित होने का आह्वान किया गया, जिससे आयोजन की धार्मिक गरिमा और सांस्कृतिक छटा और भी आकर्षक बनी। संस्था की तरफ से प्रत्येक महिला को कलश,नारियल,दुपट्टा,जल,फुल,फल आदि की व्यवस्था भी की गई । यात्रा प्रथम नवरात्रि पर प्रातः पिप्लेश्वर महादेव मंदिर से शुरू होकर पूजा स्थल छठ घाट पर बहुत ही उत्साह और भक्ति में ओतप्रोत होकर पहुंची।स्थलसिद्धि फाउंडेशनका उद्देश्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से समाज को जोड़ना, भारतीय परंपराओं को सहेजना तथा सेवा, संस्कार और समर्पण की भावना को मजबूत करना है। संस्था का मानना है कि ऐसे आयोजन केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सामूहिक सहभागिता के भी महत्वपूर्ण माध्यम हैं।इस पावन अवसर पर माँ भगवती से सभी के सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और कल्याण की कामना की गई ।

### सॉफ्टवेयर इंजीनियर की नौकरी छोड़ी : मोती उत्पादन में हासिल की बड़ी सफलता

**गाजियाबाद** । गाजियाबाद के रहने वाले जितेंद्र ने आईटी क्षेत्र की मोटी कमाई वाली सॉफ्टवेयर इंजीनियर की नौकरी छोड़कर एक नया रास्ता चुना। उन्होंने पारंपरिक नौकरियों से अलग हटकर मोती संवर्धन (पलंपर्मागिंग) के क्षेत्र में कदम रखा और अपनी मेहनत के दम पर सफलता की एक नई मिसाल पेश की। महज 100 वर्ग गज की जगह से शुरू किया गया उनका यह व्यवसाय आज इतने बड़े पैमाने पर पहुंच चुका है कि वे इससे सालाना 30 लाख रुपये तक का मुनाफा कमा रहे हैं। जितेंद्र ने वैज्ञानिक तरीकों और आधुनिक तकनीकों को अपनाकर सीय पालन और मोती उत्पादन की प्रक्रिया को व्यवस्थित किया। शुरूआत में कई चुनौतियों का सामना करने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और सही बाजार-रणनीति के साथ अपने उत्पाद को सीधे खरीदारों तक पहुंचाया। उनकी इस अनोखी पहल और उपलब्धि ने न केवल उनकी किस्मत बदली है, बल्कि आसपास के कई युवाओं और किसानों को भी स्वरोजगार और नवाचार अपनाने के लिए प्रेरित किया है।

### सीएम योगी के अयोध्या से चुनाव लड़ने पर अखिलेश बोले- 'पवन की हवा में अहंकारी लोग टिक नहीं पाएंगे'



**लखनऊ।** लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को लखनऊ स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) से भाजपा सरकार के खिलाफ राजनीतिक हमला तेज करते हुए 2027 के विधानसभा चुनाव में सत्ता परिवर्तन का दावा किया। अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या से विधानसभा चुनाव लड़ने से जुड़े सवाल पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि पवन पांडे की हवा में अहंकारी लोग टिक नहीं पाएंगे। उन्होंने सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री खुद टिकट बांटते हैं। उन्होंने कहा कि जिन नेताओं को अपने टिकट का भरोसा नहीं है, उन्हें पहले अपना टिकट पक्का कराने की चिंता करनी चाहिए। भाजपा की राजनीति से जनता परिचित हो चुकी है और पार्टी को अपने फैसलों का जवाब देना होगा। उन्होंने दावा किया कि 2027 में बदलाव होगा और इसकी शुरुआत हो चुकी है। सपा प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी पीडीए यानी पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों के अधिकारों की लड़ाई जारी रखेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा पीडीए की राजनीतिक ताकत से घबराई हुई है। सपा प्रमुख ने भारतीय जनता पार्टी पर अन्याय करने, पीडीए से घबराएने और चुनावी प्रक्रिया में बाधाएं पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए सीईसी के इस्तीफे की मांग की। गोमतीनगर स्थित जेपीएनआईसी पहुंचकर अखिलेश यादव ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान केंद्र के मुख्य द्वार को टीन की चादरों से ढके जाने, परिसर के आसपास बैरिकेडिंग और पुलिस तथा पीएसी की तैनाती को लेकर भी उन्होंने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जयप्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति के माध्यम से सत्ता और व्यवस्था को चुनौती देने का रास्ता दिखाया था। उनका आंदोलन आज भी प्रासंगिक है और समाजवादी पार्टी उसी रास्ते पर चलकर परिवर्तन लाएगी। अखिलेश यादव ने कहा, "ऐसा तो नहीं कि परिवर्तन का आगाज हो गया है। लगता है बदलाव की शुरुआत है।" उन्होंने दावा किया कि जनता के भीतर बढ़ती पीड़ा बदलाव की प्रक्रिया को तेज करेगी। उन्होंने जयप्रकाश नारायण के योगदान को याद करते हुए कहा कि वह हमेशा दबे-कुचले लोगों के अधिकारों के लिए खड़े रहे। उन्होंने सामाजिक सुधार के क्षेत्र में विनोबा भावे के भूदान आंदोलन के योगदान को भी याद किया। जेपीएनआईसी को लेकर अखिलेश यादव ने सरकार से सवाल किया कि प्रदेश में क्या इस तरह की कोई दूसरी इमारत है। उन्होंने परिवार में बने हेलीपैड, लगभग 1,200 वाहनों की पार्किंग और निर्माण परियोजना पर खर्च को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने 800 करोड़ रुपये के आंकड़े का उल्लेख करते हुए निर्माण कार्यों, ठेकेदारों और भुगतान से जुड़े मुद्दों पर भी जवाब मांगा। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार ने इस केंद्र को पैसों के भार में दबा दिया है और विचारधारा के महत्व को नज़रअंदाज किया है। उन्होंने सवाल किया कि अखिर इस केंद्र को कितने रुपये में बेच दिया गया होगा। उनके मुताबिक, जयप्रकाश नारायण का आंदोलन सत्ता परिवर्तन के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का भी प्रतीक है।

# शरदीय नवरात्रि पर झंडेवालान मंदिर पहुंचीं दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उन्होंने आस्था का किया सम्मान

**नई दिल्ली**नवरात्रि शुभारंभ पर झंडेवालान मंदिर पहुंची मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता,दिल्ली में शारदीय नवरात्रि के पहले दिन भक्ति, शक्ति और संकल्प का संगम देखने को मिला। दरअसल रविवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता झंडेवालान मंदिर पहुंचीं और मां भगवती के दिव्य दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।मां के श्रीचरणों में शीश झुकाकर उन्होंने दिल्ली सहित समस्त देशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य को कामना की।

वहीं, राजधानी में अराजकता फैलाने आम जनता को परेशान करने और सार्वजनिक संपत्ति को



नुकसान पहुंचाने की कोशिशों पर मुख्यमंत्री ने सख्त संदेश देते हुए स्पष्ट कर दिया कि दिल्ली की शांति और व्यवस्था से किसी को खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। नवरात्रि के पावन अवसर पर

मुख्यमंत्री ने कामना की कि मां आदिशक्ति की कृपा प्रत्येक परिवार पर बनी रहे और देश निरंतर उन्नति के पथ पर आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि मां दुर्गा के नौ स्वरूप जीवन में साहस, संयम, तपस्या, करुणा और

सदाचार की प्रेरणा देते हैं। यह पर्व केवल पूजा-अर्चना का अवसर नहीं, बल्कि बुराई पर अच्छाई, अन्याय पर न्याय और नकारात्मकता पर सकारात्मकता की विजय का संदेश भी देता है।

मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली में अशांति फैलाने और सार्वजनिक व्यवस्था बाधित करने वालों को कड़े शब्दों में चेताया। उन्होंने कहा कि देशहित और विकास से ऊपर निजी स्वार्थ रखने वाले लोगों को मां सद्बुद्धि दें। देश की तरक्की में बाधा डालने और उसकी प्रगति से परेशान होने वाली मानसिकता समाज के हित में नहीं है। मुख्यमंत्री

ने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति को अपनी बात रखने और विरोध दर्ज कराने का अधिकार है, लेकिन विरोध के नाम पर आम नागरिकों को परेशान करना सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और शहर की सामान्य व्यवस्था को ठप करना किसी भी सूरत में उचित नहीं है। लोकतांत्रिक अधिकारों के साथ जिम्मेदारी निभाना भी उतना ही आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने दो टुक कहा कि दिल्ली को बंधक बनाने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की किसी को अनुमति नहीं दी जाएगी। सरकार राजधानी के

नागरिकों की सुरक्षा, सुविधा और सामान्य जनजीवन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। आम जनता को अनावश्यक परेशानी से बचाना और शहर की व्यवस्था सुचारु रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

नवरात्रि के पहले दिन मुख्यमंत्री का संदेश साफ रहा आस्था के पर्व पर मां दुर्गा से सुख-समृद्धि की प्रार्थना और राजधानी की शांति से खिलवाड़ करने वालों को सख्त चेतावनी।

दिल्ली की जनता के हितों की रक्षा और विकास की गति बनाए रखने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

# सीजेपी ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस, चुनाव आयोग, केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस को लेकर उठाए सवाल

**नई दिल्ली।** कॉंग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) की ओर से रविवार को से दिल्ली के प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। इस दौरान सीजेपी के सह-संयोजक और प्रवक्ता आशुतोष रांका ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस पर कई गंभीर आरोप लगाए।

सीजेपी के सह-संयोजक और प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि पिछले 72 घंटों में देश में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जिनकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ है। आशुतोष रांका ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी देश को बचाने और आगे बढ़ाने की है लेकिन वह समझौता कर चुका है। उन्होंने दावा किया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार भाजपा को जिताने के लिए काम कर रहे हैं। आशुतोष रांका ने कहा कि शनिवार को अभिजीत की दादी का निधन हो गया। जब अभिजीत को इस बारे में बताया गया, तब भी दिल्ली पुलिस ने अमानवीय व्यवहार किया। आशुतोष रांका ने कहा, "जब उन्हें उनकी मौत के बारे में बताया गया तो दिल्ली पुलिस ने बहुत ही अमानवीय तरीके से व्यवहार किया। मुझे शर्म आती है कि इस देश की राजधानी की पुलिस ने इस तरह का व्यवहार किया। जब दिपके को उनकी दादी की मौत के



बारे में बताया गया, तब भी दिल्ली पुलिस के जवान कैमरे और माइक लेकर वहां खड़े थे। उन्होंने इस घटना को भी तमाशा बनाने की कोशिश की।" उन्होंने बताया कि दिपके बार-बार बोलते रहे कि उनके माता-पिता बहुत जल्दी बेहला हो जाते हैं, वे हार्ट के मरीज हैं। उन्होंने पुलिस से कहा कि उन्हें अपने केजन से बात करने दीजिए जो अभी गांव में मौजूद है। वह उससे बात करना चाहते हैं, समझना चाहते हैं कि क्या हुआ लेकिन दिल्ली पुलिस का दिल नहीं पसीजा। उन्होंने कहा कि देश में इस तरह के हालात पैदा हो गए हैं कि किसी के करीबी के जाने के बाद भी लोग पूरी तरह से संवेदनहीन हो गए हैं।

आशुतोष रांका ने कहा, "जिस तरह से चार पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी, माणिक सरकार और पिनाराई विजयन कल इस देश के छात्रों और युवाओं के साथ सड़कों पर उतरे,

देश के लोगों के लोकतंत्र को बचाने के लिए उन्होंने जो लड़ाई लड़ी, उसके लिए हम उनका दिल से धन्यवाद करते हैं।"

वहीं, सीरव दास ने आरोप लगाया कि हिरासत के दौरान उन्हें आरकेपुरम थाने में रखा गया था जबकि आशुतोष रांका और अभिजीत दिपके को कहीं और रखा गया था। उन्होंने दावा किया कि तीनों को अलग-अलग जगह रखा गया था। सीरव दास ने पुलिस द्वारा उनके फोन कब्जे में लेकर सबूत त्रांट किए जाने की आशंका जताई। साथ ही, उन्होंने यह भी आशंका जताई कि पुलिस ने उनके फोन की जांच की है। सीरव दास ने कहा, "देश भर में खुली इमरजेंसी जैसी स्थिति है। ऐसे हालात आखिरी बार 1975 में तानाशाही शासन के दौरान देखे गए थे।"

सीरव दास ने दावा किया कि पिछले तीन से चार दिनों में जो हुआ है, उसमें पूरी दिल्ली को छावनी में बदल दिया

गया है। 30 हजार से 40 हजार सुरक्षा कर्मियों को बुलाया गया है। नक्सल प्रभावित इलाकों, बंगाल और कश्मीर से जवानों को, जिसमें सीमा क्षेत्रों से बीएसएफ के जवानों को एयरलिफ्ट करके दिल्ली लाया गया है। 40 हजार से ज्यादा जवानों को तैनात किया गया है और शहर में भारी पाबंदियां लगा दी गई हैं।

उन्होंने कहा कि यह बहुत बड़ी समस्या पैदा कर रहा है। अगर आप प्रदर्शनकारियों और आंदोलन के खिलाफ नकारात्मक माहौल बनाना चाहते हैं, तो आप सिर्फ प्रदर्शनकारियों के लिए ही मुश्किलें नहीं बनाते बल्कि उन आम नागरिकों के लिए भी समस्याएं पैदा करते हैं जो शायद प्रदर्शनों में हिस्सा भी नहीं ले रहे हैं। इससे आंदोलन की नकारात्मक छवि बनती है और दिल्ली में ठीक यही हो रहा है। 57 मेट्रो स्टेशन बंद करना, दूसरे राज्यों से दिल्ली आने वाली ट्रेनों को रोकना, राजधानी एक्सप्रेस को रद्द करना और दुकानों को बंद करना, यह सब आम लोगों को प्रभावित कर रहा है। आज रविवार है और कई लोग सामान्य रूप से अपने काम से बाहर निकलते। दुकानों को बंद करने का क्या मतलब है। सीरव दास ने दावा किया कि इस सरकार का अंत नजदीक है। उन्होंने सरकार पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचाने का आरोप लगाया।

# विरोध नहीं करने का कोई बॉन्ड नहीं भरा, फिर सड़कों पर उतरेंगे : अभिजीत दिपके

**नई दिल्ली।** दिल्ली की अदालत से रिहाई के कुछ घंटों बाद कॉंग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने रविवार को कहा कि उन्होंने ऐसा कोई बॉन्ड नहीं भरा है, जिसमें विरोध-प्रदर्शन नहीं करने की बात कही गई हो। उन्होंने कहा कि वे एक बार फिर सड़कों पर उतरेंगे। दिपके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, ह्ममने ऐसा कोई बॉन्ड नहीं भरा है, जिसमें कहा गया हो कि हम विरोध-प्रदर्शन नहीं करेंगे। हम फिर से सड़कों पर उतरेंगे।

इससे पहले दिपके ने बताया था कि वह अपनी दादी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए महाराष्ट्र स्थित अपने पैतृक गांव जा रहे हैं। उनकी दादी का शनिवार को निधन हो गया था। उन्होंने एक्स पर लिखा, ह्मइस दुख की घड़ी में अपने परिवार के साथ रहने के लिए अपने गांव जा रहा हूँ। दिपके ने दावा किया कि 10 अक्टूबर को हुई घटनाओं को तानाशाही के अंत की शुरुआत के रूप में याद किया जाएगा। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने दिपके की मां के उन दावों को खारिज किया था, जिनमें कहा गया था कि हिरासत के दौरान उन्हें उनकी दादी के निधन की जानकारी नहीं दी गई



थी। दिल्ली पुलिस ने एक्स पर पोस्ट में कहा था कि अभिजीत की दादी के निधन की जानकारी उन्हें संवेदनशीलता के साथ समय पर दे दी गई थी। उन्हें अंतिम संस्कार के निर्धारित समय के बारे में भी बताया गया था और मानवीय आधार पर उनके पैतृक गांव जाने के लिए हरसंभव सहायता की पेशकशी की गई थी। हालांकि, पुलिस के अनुसार, उन्होंने इस सहायता का लाभ लेने से इनकार कर दिया था। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, रविवार को नई दिल्ली स्थित विशेष कार्यकारी

मजिस्ट्रेट (एसईएम) की अदालत ने सीजेपी नेताओं को शांति बनाए रखने और सद्भवहार की शर्त पर रिहा किया।

सीजेपी की कानूनी मामलों की प्रमुख रत्ना सिंह ने भी इससे पहले नेताओं की रिहाई की पुष्टि की थी। दिल्ली पुलिस ने एक्स पर बताया कि अभिजीत दिपके, आशुतोष रांका और सीरव दास को 10 अक्टूबर 2026 को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 126/170 के तहत एहतियातन गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार, सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करने के बाद उन्हें 11 अक्टूबर को दिल्ली फैट स्थित एसईएम अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने बताया कि शांति बनाए रखने और अच्छे व्यवहार के लिए एक वर्ष की अवधि हेतु 50,000 रुपये का जमानतदार बॉन्ड भरा गया, जिसके बाद तीनों को रिहा कर दिया गया।गौरतलब है कि तीनों सीजेपी नेताओं को शनिवार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उस समय हिरासत में लिया गया था, जब वे भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन करने के लिए दिल्ली पहुंचे थे।

# अभिजीत दीपके की हिरासत पर दिल्ली पुलिस और सीजेपी आमने-सामने

पुलिस ने कहा- दिया था गांव जाने के लिए एयर टिकट का प्रस्ताव

**नई दिल्ली।** मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए कॉंग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके की कस्टडी को लेकर दिल्ली पुलिस और सीजेपी के बीच जबानी जंग तेज हो गई है। रविवार को रिहा होने के बाद जहां दीपके अपनी दादी के अंतिम संस्कार में शामिल होने गांव रवाना हो गए, वहीं दिल्ली पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा

किया कि उसने दीपके को मानवीय आधार पर हवाई टिकट और परिजनों से बात करने का विकल्प दिया था। इसके जवाब में दीपके ने सोशल मीडिया पर तीखा पलटवार करते हुए पुलिस पर उनके परिवार को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। दिल्ली पुलिस का दावा : दादी के निधन की दी थी सूचना, एयर टिकट का भी दिया था ऑफ़र रविवार शाम शाहदरा जोन की डीसीपी

नेहा यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दीपके की हिरासत और उन पर लगे आरोपों पर पुलिस का पक्ष रखा। डीसीपी ने कहा कि प्रदर्शन की अनुमति न होने के कारण कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रिवेंटिव डिटेनशन किया गया था। पुलिस ने एक वीडियो फुटेज के हवाला देते हुए दावा किया कि जब ही अधिकारियों को दीपके की दादी के देहांत की सूचना मिली, उन्होंने तुरंत दीपके को

इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, उन्हें हवाई यात्रा के जरिए सीधे गांव पहुंचाने का इंतजाम करने का प्रस्ताव भी दिया गया, लेकिन दीपके ने जाने से इनकार कर दिया और कहा कि वे वहीं रुकेंगे। डीसीपी ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें माता-पिता से बात करने की पेशकशी की थी, जिसे दीपके ने ठुकरा दिया। पुलिस ने कहा कि सीजेपी प्रशासन की गलत छवि पेश कर रही है।

दीपके का पलटवार : 'रात 3:30 बजे पिता को डराने का दबाव बना रही थी पुलिस' रिहाई के बाद अभिजीत दीपके ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट साझा कर दिल्ली पुलिस के दावों को सिरों से खारिज किया। दीपके ने लिखा: फोन और वकील से वंचित रखने का आरोप: "मैंने पुलिस से केवल कुछ मिनट के लिए अपना फोन मांगा था ताकि अपनी

दादी के साथ रहने वाले चचेरे भाई का नंबर निकाल सकूँ और उससे बात कर सकूँ। लेकिन मुझे फोन का इस्तेमाल नहीं करने दिया गया। यहां तक कि मेरे वकील से बात कराने के अनुरोध को भी ठुकरा दिया गया।"

रात 3:30 बजे कॉल कराने पर सवाल : दीपके ने खुलासा किया कि पुलिस ने रविवार तड़के 3:30 बजे उनके पिता को फोन करने का ऑफ़र दिया था।

राहुल गांधी का ऐलान, सोमवार को सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करेगा विपक्ष

**नई दिल्ली।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को ऐलान किया कि विपक्षी दल, युवा, सिविल सोसाइटी और लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले लोग सोमवार, 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करेंगे। उन्होंने कहा कि इस मार्च के जरिए मुख्य न्यायाधीश को ज्ञापन सौंपकर कथित वोट चोरी रोकने, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर रोक लगाने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की जाएगी। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि रविवार को दिल्ली में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने के लिए सड़कों पर उतरे युवाओं के साथ पुलिस और भाजपा के लोगों ने मारपीट की। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शन कर रहे युवाओं के दिलों में नफरत या गुस्सा नहीं, बल्कि मोहब्बत थी। राहुल गांधी ने कहा, "ऐसा भारत हम नहीं चाहते।"

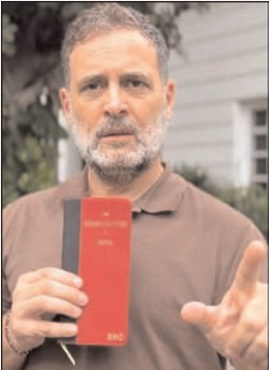
उन्होंने सोमवार को होने वाले मार्च में सभी लोगों से शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि भारतीय होने के नाते सभी को पार्टी, महिला-पुरुष, जाति, समुदाय और राज्य की दीवारों से ऊपर उठकर एक साथ चलना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि देश के युवा, तमाम विपक्षी दल, सिविल सोसाइटी और लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले सभी लोग इस मार्च में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि संविधान के साथ खड़े सभी लोग इस पहल का हिस्सा बनेंगे। राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत का नाम लेते हुए आरोप लगाया कि ये लोग भारत की आवाज को दबा नहीं सकते। उन्होंने कहा कि विपक्ष डरने वाला नहीं है और सरकार को पीछे हटना होगा। उन्होंने लिखा कि सभी लोग मोहब्बत, भाईचारे और देशभक्ति की भावना के साथ एक साथ मार्च करेंगे। राहुल गांधी ने अपने संदेश में 'डरो मत' का नारा भी दिया और कहा कि सोमवार को पूरा भारत सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करेगा। इस मार्च के जरिए विपक्ष ने मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों और चुनावी प्रक्रिया को लेकर अपनी आपत्तियां उठाने का संकेत दिया है। राहुल गांधी की ओर से घोषित कार्यक्रम में मुख्य न्यायाधीश को ज्ञापन सौंपना प्रमुख एजेंडा है।

सीजेपी प्रदर्शन रोकना लोकतंत्र का काला दिन

**नई दिल्ली।** दिल्ली में सीजेपी के विरोध प्रदर्शन को लेकर आम आदमी पार्टी ने पुलिस और केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि पुलिस ने सरकार के निर्देश पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बेरहमी से कार्रवाई की। आप नेता गोपाल राय ने प्रदर्शन पर रोक लगाने, मेट्रो और रेल सेवाएं प्रभावित होने तथा भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती को देश के लोकतांत्रिक इतिहास का काला दिन बताया। सीजेपी के विरोध प्रदर्शन को लेकर आम आदमी पार्टी दिल्ली के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आईएनएसएस से बात करते हुए कहा कि पुलिस ने प्रदर्शनों के दौरान उनके पार्टी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया, घसीटा और थानों में ले गई। कई लोगों को दो दिनों से हिरासत में रखा गया है। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस दक्षिणपंथी तत्वों को बचा रही है। यदि पुलिस ऐसे लोगों को संरक्षण दे रही है तो इसका असर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि पर भी पड़ सकता है। सौरभ भारद्वाज ने कांग्रेस की भूमिका पर कहा कि पार्टी को क्या करना चाहिए और क्या नहीं, यह उसका अपना निर्णय है. हालांकि उन्होंने कहा कि जब भी युवा सीजेपी, वामपंथी छात्र संगठनों या आम आदमी पार्टी के छात्र संगठन के आह्वान पर प्रदर्शन करते हैं तो विभिन्न विपक्षी दलों के नेता और कार्यकर्ता इसमें शामिल होते हैं। उन्होंने इसे जनता का आंदोलन बताते हुए कहा कि प्रदर्शन को व्यापक समर्थन मिल रहा है। भारी पुलिस तैनाती, रेल और मेट्रो सेवाओं पर पाबंदियों, सीमाओं को सील करने तथा इंटरनेट सेवाएं रोकने के बावजूद करीब 7,000 युवा गिरफ्तारी देने के लिए तैयार थे। उन्होंने इसे देश में बदलाव का संकेत बताया और कहा कि भाजपा इस बदलाव को रोक नहीं पाएगी।आप नेता गोपाल राय ने प्रदर्शन पर रोक लगाए जाने की आलोचना करते हुए कहा कि यह भारत के राजनीतिक इतिहास का काला दिन था। उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार पर देश में 'ब्लैक इमरजेंसी' थोपने का आरोप लगाया।गोपाल राय ने कहा कि यह देश और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है। उनके मुताबिक निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए वोटों की सुरक्षा जरूरी है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, उनके खिलाफ कार्रवाई और एसआईआर प्रक्रिया समाप्त करने की मांग की। साथ ही, उन्होंने निष्पक्ष चुनाव कराने पर जोर दिया।

अशोक विहार फेज-2 में आदर्श रामलीला कमेटी द्वारा भजन क्लबिंग के साथ नवरात्रि का शुभारंभ

**नई दिल्ली।** अशोक विहार फेज-2 के रामलीला स्थल पर आदर्श रामलीला कमेटी द्वारा भजन क्लबिंग के साथ नवरात्रि महोत्सव का शुभारंभ किया गया।यहां महिला, पुरुष और बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ गरबा और डांडिया खेलने का आनंद लिया।रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे महिला-पुरुषों ने भक्तिमय मधुर भजनों के साथ धार्मिक और फिल्मी धुनों पर नृत्य कर माहौल को खुशनुमा और उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन समाजसेवी विवेक मंगल और अजय गुप्ता ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा दिल्ली प्रदेश कोषाध्यक्ष सतीश गर्ग उपस्थित रहे। इस अवसर पर सतीश गर्ग ने कहा कि श्रीराम का चरित्र कर्तव्यपरायण, कर्मप्रधान,अत्यंत विनम्र और प्रेममय,आदर्शों और मर्यादा से भरा है। रामलीला अध्यक्ष अशोक गर्ग ने सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। मेले का उद्घाटन समाजसेवी अंकित गुप्ता और राहुल बैजल ने किया। इस अवसर पर रामलीला निदेशक नितिन बत्रा,



सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएंगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी